

फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले सात गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ॥नई दिल्ली

आर्थिक अपराध शाखा ने जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। 128 करोड़ के इस नकली जीएसटी इनवॉइस रैकेट में शामिल मुख्य आरोपी सीए समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 51.12 लाख नकद, 15 मोबाइल फोन, दो कार, लैपटॉप, नकली मोहरें, जाली दस्तावेज, डिजिटल उपकरण, नकली इनवॉइस और कई कार्ड बरामद किए हैं। जांच में पता चला कि फर्जी जीएसटी रिटर्न, नकली बिलिंग और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा करने के लिए नकली संस्थाओं का इस्तेमाल किया जा रहा था। अब तक 50 शेल कंपनियां पहचानी



गई हैं, जिनका इस्तेमाल नकद लेनदेन और फर्जी जीएसटी प्रविष्टियों के बदले पैसे घुमाने के लिए किया जा रहा था। एडिशनल सीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि 24 मार्च को इसी साल एक मामला दर्ज किया

गया था। यह मामला आर के इंटरप्राइजेज नामक एक नकली प्रोप्राइटरशिप फर्म के धोखाधड़ी से निर्माण और संचालन के संबंध में था। इस फर्म को जीएसटी विभाग में नौकरी दिलाने के झूठे बहाने से एक अनजान व्यक्ति की

पहचान और वित्तीय दस्तावेजों का दुरुपयोग करके बनाया गया था। जांच में पता चला कि पीड़ित के आधार कार्ड, पैन कार्ड, बिजली के बिल और बायोमेट्रिक सत्यापन का दुरुपयोग करके सितंबर 2025 में उक्त फर्म का निर्माण किया गया था। आगे की जांच में पता चला कि उक्त संस्था के माध्यम से 128 करोड़ से अधिक के लेनदेन किए गए थे और लगभग 10 करोड़ का गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी से प्राप्त किया गया था। तकनीकी निगरानी, जीएसटी रिपोर्ट, बैंकिंग लेनदेन, ईमेल आईडी और डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण से पता चला कि आरोपी दिलीप कुमार और राज कुमार दीक्षित नकली कंपनियां बनाने, फर्जी जीएसटी

इनवॉइस जारी करने और धोखाधड़ी वाले जीएसटी रिटर्न दाखिल करने में शामिल मुख्य षड्यंत्रकारी थे। आगे की जांच में पता चला कि आरोपी अमर कुमार और विभाष कुमार मित्रा ने नकली संस्थाओं को चलाने में मदद की, जबकि आरोपी नितिन वर्मा, मोहम्मद वसीम और आबिद भी इस साजिश में शामिल थे। इन्होंने नकली लेन-देन और फर्जी जीएसटी गतिविधियों से कमाए गए पैसे को इधर-उधर करने के लिए बैंक खाते और इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी उपलब्ध कराई थी। इस मामले की आगे की जांच चल रही है, ताकि इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य लाभार्थियों और संस्थाओं की पहचान की जा सके।

चोरी के माल के साथ ज्वैलर समेत तीन लोग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ॥नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के बिंदुपुर इलाके में हुई चोरी के सिलसिले में एक जौहरी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनसे लाखों रुपये मूल्य की पिघली हुई चांदी, नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और पुराने सिक्के बरामद किए गए हैं। आरोपियों के नाम हर्ष प्रसाद (20), आकाश यादव (19) और जौहरी राजेश कुमार कटारिया (54) बताये गये हैं।



पुलिस के अनुसार 28 अप्रैल को एक ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों ने उसके घर से सोने और चांदी के आभूषणों के साथ-साथ 73,800 रुपये नकद चोरी कर लिए थे। जांच के दौरान पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और एक व्यक्ति को शिकायतकर्ता के घर में

प्रवेश करते और लगभग दो घंटे तक अंदर रहने के बाद बाहर निकलते हुए देखा। बाद में संदिग्ध की पहचान आकाश के रूप में हुई। 29 अप्रैल को एक टीम ने आकाश को नजफगढ़ से पकड़ा। पृष्ठताछ के दौरान उसने हर्ष की संप्लिप्तता का खुलासा किया, जिसके बाद हर्ष को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने खुलासा किया कि चोरी की गई चांदी को पिघलाकर करोल

बाग के एक जौहरी को 5.10 लाख रुपये में बेच दिया गया था। इस खुलासे के आधार पर पुलिस ने जौहरी को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से 2,433 किलोग्राम पिघली हुई चांदी की ईंट बरामद की। आरोपियों से लगभग 5.58 लाख रुपये नकद, सोने के आभूषण, चांदी की पायल, पैर की अंगुठियां और 198 पुराने भारतीय और विदेशी सिक्के बरामद किए गए।

बस मार्शलों ने स्थाई समाधान के लिए प्रदेश भाजपा कार्यालय में सौंपा झापन

हरिभूमि न्यूज़ ॥नई दिल्ली

दिल्ली में वर्षों तक डीटीसी बसों में महिला सुरक्षा की जिम्मेदारी निमाने वाले 10,792 पूर्व सिविल डिफेंस बस मार्शलों ने अपनी स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा को झापन सौंपा है। मार्शलों का कहना है कि अक्टूबर 2023 में उन्हें आचानक सेवा से हटा दिया गया, जिसके बाद हजारों परिवार आर्थिक संकट में आ गए। प्रतिनिधिमंडल में शामिल मुकेश इश्यूटी दी गई थी, लेकिन वह भी समाप्त हो चुकी है और अब अधिकांश मार्शल बेरोजगार हैं। पूर्व बस मार्शलों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो वे 22 मई को सुबह 11 बजे चांदनी राम अखाड़ा पर अपने परिवारों सहित एकत्र होकर धरना-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने अपील की है कि आंदोलन स्थल पर आकर पारदर्शी नीति और निश्चित समय सीमा के साथ स्थायी रोजगार की सार्वजनिक घोषणा की



जाए, ताकि आंदोलन समाप्त कराया जा सके। पूर्व बस मार्शलों ने दावा किया कि 8 से 10 वर्षों तक लगातार सेवा देने के बावजूद उन्हें स्थायी रोजगार नहीं मिला। उनका कहना है कि लंबे समय से बेरोजगारी के कारण कई परिवार मुख्तारों की कगार पर पहुंच चुके हैं और कुछ मार्शलों ने आत्महत्या तक की चेतावनी दी है। झापन में दिल्ली सरकार से मांग की गई है कि होम डिपार्टमेंट के अंतर्गत 10,792 स्थायी 'सिविल डिफेंस मार्शल' पद सृजित किए जाएं। साथ ही स्थायी नीति बनने तक 'जैसा है, जहां है' के आधार पर तत्काल बहाली की जाए। मार्शलों ने 25,000 रुपये वेतन और डीए सहित मूलभूत सुविधाएं देने की भी मांग रखी है। मार्शलों का कहना है कि 'समान काम, समान वेतन' और श्रम कानूनों के आधार पर वे स्थायी नियुक्ति के हकदार हैं।

रोहिणी के नशामुक्ति केंद्र में एक व्यक्ति मृत मिला, जांच जारी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली में रोहिणी के अमन विहार इलाके में स्थित नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में 22 वर्षीय एक युवक मृत पाया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृत युवक सुल्तानपुरी का निवासी था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना की जानकारी सुबह करीब छह बजे पुनर्वास केंद्र के कर्मचारियों द्वारा परिवार के सदस्यों को दिए जाने के बाद सामने आई। सूत्रों ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। परिवार के सदस्यों और केंद्र के कर्मचारियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शव को मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सूत्रों के अनुसार, परिवार और आपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई है और अब तक किसी प्रकार की गड़बड़ी के संकेत नहीं मिले हैं। हालांकि, पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

आईपीयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन



हरिभूमि न्यूज़ ॥नई दिल्ली

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स में "भारतीय ज्ञान परंपरा नरंतरता, विच्छेद और समन्वय" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। आईपीयू प्रवक्ता ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स की प्रभारी प्रो. कवीन प्रधान ने रेखांकित किया कि सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) के विकसित हो रहे क्षेत्र के ईद-गिद आलोचनात्मक

संवाद के लिए विभिन्न अनुशासनात्मक पृष्ठभूमियों के विद्वानों, शोधकर्ताओं और छात्रों को एक मंच पर लाना था। सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित विद्वानों और प्रख्यात बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में प्रख्यात बुद्धिजीवी एवं आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी उपस्थित रहे। सम्मेलन के दो दिनों के दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विभिन्न विषयों और उप-विषयों पर आयोजित तकनीकी सत्रों में पूरे भारत से 30 से अधिक विद्वानों और शोधकर्ताओं ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

जितेंद्र गोगी गैंग का शूटर चढ़ा स्पेशल सेल के हत्थे

हरिभूमि न्यूज़ ॥नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने जितेंद्र गोगी गैंग के एक शूटर को गिरफ्तार किया है। पानीपत निवासी सचिन चौधरी उर्फ सोनू (24) के पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद हुये हैं। करावल नगर थाने के 'हत्या के प्रयास' और पानीपत के इसराना थाने के 'दंगा, गैर-कानूनी जमावड़ा और हमले' के एक मामले में इसे 'घोषित अपराधी' करार दिया गया था।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने करावल नगर इलाके में गत वर्ष अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर 16 अक्टूबर के दिन जीहरीपुर स्थित जगदंबा कॉलोनी इलाके में एक वकील की हत्या का प्रयास किया था। इसके तीन साक्षी पहले ही स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किये जा चुके थे। कोर्ट ने इस साल 10 अप्रैल को मामले में इसे भगोड़ा अपराधी घोषित करार दिया था। जांच में आरोपी पानीपत के तीन अन्य केस में भी शामिल पाया गया। पुलिस के अनुसार सोनू कैथल जिले के सीसला गांव का मूल निवासी है। वह वर्तमान में जटल रोड,

सोधापुर चौक, पानीपत में रह रहा था। ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं है। गोगी गैंग से मिलने वाले पैसें पर इसका गुजारा चल रहा था। इससे पहले सिक्योरिटी गाड़ और एक आटा चक्की ऑपरेंटर के तौर पर भी काम किया था। वर्ष 2021 में सोनू का संपर्क अमेरिका में बैठे संदीप दहिया से हुआ था। संदीप गोगी गैंग का सहयोगी है। वह एनक्रिप्टेड सोशल मीडिया ऐप्स के जरिए उससे संपर्क साधता था। संदीप ने ही सोनू की मुलाकात आकाश पांचाल से करवाई थी। आकाश करावल नगर गोगीबारी मामले में सह-आरोपी है और उसे स्पेशल सेल द्वारा पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जब सोनू 2022 में पानीपत के मांडल टाउन में डकैती करने के बाद फरार था, तब आकाश ने उसे पनाह दी थी। अक्टूबर 2025 में संदीप दहिया के कहने पर सोनू ने आकाश और दो अन्य लोगों के साथ मिलकर पीड़ित की कार का रास्ता रोका और उस पर गोलियां चलाईं। हत्या की इस कोशिश के पीछे की वजह पीड़ित के साथ आकाश के निजी झगड़े थे। हमले के लिए हथियार संदीप दहिया ने सोनू को भेजा था।

पीएम और केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफा देने की मांग

नीट पेपर लीक मामले को लेकर जंतर-मंतर पर धरना, छात्र हिरासत में लिए

हरिभूमि न्यूज़ ॥नई दिल्ली

नीट पेपर लीक को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता छात्रों के साथ शनिवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चित कालीन धरने पर बैठ गए। आम आदमी पार्टी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सीरधर भारद्वाज ने छात्रों का समर्थन करते हुए कहा कि छात्र नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक का स्थायी समाधान चाहते हैं। इस दौरान हाथों में 'धर्मद प्रधान हटाओ, शिक्षा बचाओ, एनटीए जवाब दो, लाखों बच्चों को इंसाफ दो, बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन' लिखे पोस्टर लेकर शांतिपूर्वक धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं ने सरकार पर असली मास्टर माइंड को बचाने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। वहीं, देर शाम दिल्ली पुलिस ने धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं समेत कई छात्रों को हिरासत में ले लिया। साथ ही, वे प्रमाणमंत्री से



इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को हिरासत में ले लिया गया। अब छात्रों और नागरिकों को सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की भी अनुमति नहीं है। यह बेहद शर्मनाक है।

नाबालिग समेत दो पकड़े

प्रतिद्वंद्वी गुट ने युवक को पीट पीटकर उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज़ ॥नई दिल्ली

मध्य जिला पुलिस ने आनंद पर्वत इलाके में 21 वर्षीय एक युवक की हत्या के सिलसिले में दो आरोपियों को पकड़ा है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। गिरफ्तार एक व्यक्ति का नाम बलजीत नगर निवासी विराट उर्फ गट्टू (22) बताया गया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार को आनंद पर्वत पुलिस थाने में बलजीत नगर के रामजस पार्क के पास युवकों के एक समूह द्वारा की गई मारपीट के संबंध में पीसीआर के जरिये सूचना प्राप्त हुई थी। पीसीआर को सूचना देने वालों ने बताया कि इलाके से गुजर रहे तीन युवकों को करीब 10 अज्ञात व्यक्तियों ने रोक उन पर हमला किया। हमलावर बाद में एक युवक को जबरन अपने साथ उठा ले गये। मौके पर पहुंचने पर पुलिस को



रामजस पार्क की चारदीवारी के निकट कूड़े के ढेर के बगल में एक अज्ञात व्यक्ति बेहोश पड़ा मिला। पीड़ित के सीने और सिर के बाईं ओर जख्म के कई निशान थे। घायल को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से बरामद मोबाइल फोन से मिले सिम कार्ड के जरिये मृतक की पहचान की। मामला दर्ज कर जांच शुरू की

गई और रामजस पार्क के पास से ही विराट को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि विराट से पृष्ठताछ के बाद अपराध में इस्तेमाल किया गया चाकू भी पास के जंगल से बरामद हो गया। पुलिस ने यह भी बताया कि हत्या के संबंध में एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। मामले में शामिल शेष आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

डेटिंग एप के जरिये हनी ट्रैप व वसूली गिरोह के चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ॥नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने 'डेटिंग एप्लिकेशन' के शख्स को गिरफ्तार किया गया है। हनी ट्रैप और जबरन वसूली गिरोह का मीडिया पर प्रसारित होने के बाद भंडाफोड़ किया है। इस रैकेट में शामिल लोग खुद को पुलिस अधिकारी बताकर एनजीओ द्वारा भी पुलिस को भ्रष्टाचार शिकायत दी गई थी। करते थे। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों के नाम नजफगढ़ निवासी सुशील कुमार (53), सोनीपत के जानवरों की देखभाल और उन्हें दीपक उर्फ साजन, उत्तम नगर के विनोद पंडित (57) और तिलक नगर

के नीरज त्यागी उर्फ धीरू (44) बताये गये हैं। पुलिस के अनुसार मामला दर्ज होने के बाद जांच टीमों ने गिरोह की गतिविधियों पर नजर रखी। खुफिया जानकारी जुटाई गई और आखिर में 12 मई को राजगौरी गार्डन में कल्याण ज्वेलर्स के पास एक जाल बिछाया। इस दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध वाहन को रोका। तीन आरोपी भागने में कामयाब रहे, जबकि सुशील कुमार को मौके पर ही पकड़ लिया गया। उसके साथ पीड़ित भी था। उस समय कुमार पुलिस की नकली वर्दी पहने हुए था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त **जफ़र पुत्र** शाहिद अली, निवासी मकान नं. ई-16के-450, न्यू सोलमपुर, दिल्ली, ने **FIR No. 361/2018, U/S 379/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन कश्मीरी गेट, उत्तरी जिला, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जफ़र** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जफ़र** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 361/2018, U/S 379/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन कश्मीरी गेट, उत्तरी जिला, दिल्ली**, के उक्त अभियुक्त **जफ़र** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.07.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार श्री वैभव गर्ग

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-11, DP/6395/N/2026 (Court Matter)

केंद्रीय जिला, कोर्ट संख्या-138, प्रथम तल, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे सम्मक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा** पंजाब मिल्क प्रोडक्ट, पता: H-11, कर्मपुर, नई दिल्ली-110015, ने **CC No. 543831/2016, U/s 138 NI Act**, थाना: प्रसाद नगर, नई दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा**, फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 543831/2016, U/s 138 NI Act**, थाना: प्रसाद नगर, नई दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा**, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.09.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार श्री अरविंद तोमर एल.डी.

न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी (NI Act)-07 केंद्रीय जिला, कर्मपुर नं 507 तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

आईएसएफ लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : खसरा नं. 10/2, समालाका, नई दिल्ली, गुडगांव रोड, साउथ वेस्ट दिल्ली, नई दिल्ली, भारत- 110037
CIN NO : L74899DL1988PLC076648, Email id: info@isflimited.in, Website: www.isflimited.in

31 मार्च 2026 को समाप्त चतुर्थ तिमाही और वर्ष हेतु अंकेक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण

	समाप्त तिमाही 31-03-2026	समाप्त वर्ष 31-03-2026	समाप्त तिमाही 31-03-2025
			(रु. लाख)
विवरण			
प्रचालनों से कुल आय	42.19	169.76	49.74
कर के बाद साधारण गतिविधियों से शुद्ध लाभ	-187.49	-166.35	18.92
कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ (असाधारण मदों के बाद)	-187.49	-166.35	18.92
इविक्ट शेर कैपिटल (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 1/- प्रत्येक)	95000000	95000000	95000000
पूर्ववर्ती लेखा वर्ष की वॉलेंस शीट के अनुरूप पुनर्मूल्यांकन रिजर्व्स को छोड़कर रिजर्व्स		392.07	
अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों से पूर्व) रु. 1/- प्रत्येक के (वॉरिफ़ाई नहीं)	-0.1974	-0.1751	0.0199
अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों के बाद) रु. 1/- प्रत्येक के (वॉरिफ़ाई नहीं)	-0.1974	-0.1751	0.0199
टिप्पणी : उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग एवं अन्य घोषणा आवश्यकताएं) नियमों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के पास दाखल किये गये वैचारिक/वॉरिफ़ाई वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। वैचारिक/वॉरिफ़ाई वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स, www.isflimited.in पर उपलब्ध है।			
1) कम्पनी के वित्तीय परिणाम कम्पनी (भारतीय लेखा मानकों) नियमों, 2015 संशोधित अनुसार के तहत अधिसूचित लेखा मानकों (Ind AS) के अनुरूप तैयार किये गये हैं।			
2) उपरोक्त परिणामों की समीक्षा ऑडिट कमेटी द्वारा कर ली गई है और 15 मई 2026 को आयोजित इसकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कर लिये गये और रिस्काई पर ले लिये गये हैं।			
3) IND-AS 108 में परिभाषित अनुसार सेगमेंट रिपोर्टिंग लागू योग्य नहीं है क्योंकि कम्पनी का सम्पूर्ण प्रचालन केवल एक सेगमेंट से सम्बन्धित है।			
4) आंकड़े आवश्यकतानुसार रिव्यूड/रिअरेंज कर लिये गये हैं।			
5) उपरोक्त प्रस्तुत अवधियों हेतु कोई अन्य व्यापक आय नहीं है।			
स्थान : नोएडा			
दिनांक : 15.05.2026			
			
कृते आईएसएफ लिमिटेड			
हस्ता/-			
अंजलि राज			
कम्पनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी			
एम. नं. ए77251			

रेखा गुप्ता ने 500 से अधिक मेधावी छात्राओं को बांटी साइकिलें

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

बेटियों की शिक्षा केवल परिवार नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। यह साइकिल केवल एक साधन नहीं, बल्कि छात्राओं के आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और सपनों को नई गति देने का माध्यम है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को आर. के. पुरम विधानसभा क्षेत्र में आयोजित मेधावी छात्राओं के सम्मान और निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान यह संबोधन दिया। इस दौरान

मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं कक्षा पास करने वाली छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं ताकि वे अपनी पढ़ाई आसानी, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के साथ जारी रख सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों की शिक्षा और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए ऐसे प्रयास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने इस पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताते हुए आयोजकों की सराहना की। इस अवसर पर आर. के. पुरम के विधायक अनिल शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र चौधरी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।



कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी।

रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि सरकारी विद्यालयों में कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाली सभी छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। हर वर्ष लगभग 1 लाख 30 हजार छात्राएं कक्षा 9 में प्रवेश लेती हैं और साइकिल मिलने से वे कक्षा 9 से लेकर कॉलेज एवं कॉचिंग तक अपनी पढ़ाई के दौरान इसका उपयोग कर सकेंगी। गर्मियों की छुट्टी के बाद छात्राओं को साइकिल वितरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

सरकार का उद्देश्य, कोई भी बेटी संसाधनों की कमी के कारण सपनों से समझौता न कर

मुख्यमंत्री ने आर. के. पुरम के विधायक अनिल शर्मा और रोटरी क्लब दिल्ली इंग्लिश को सराहना करते हुए कहा कि सरकार की योजना लागू होने से पहले ही 500 से अधिक छात्राओं को साइकिल प्रदान कर उन्होंने समाज के सामने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने रोटरी क्लब सहित सभी सहयोगियों का विशेष आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों को अधिक अवसर, सुरक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी बेटी संसाधनों की कमी के कारण अपनी पढ़ाई या सपनों से समझौता न करे।

खबर संक्षेप

छोटे बच्चों के आहार पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित नई दिल्ली। शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (11-14 मई 2026) का आयोजन दिल्ली सरकार के गुरु गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल में बीपीएनआई और मोबाइल क्रेचस के सहयोग से किया गया। यह प्रशिक्षण मोबाइल क्रेचस के फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समुदाय में माताओं और छोटे बच्चों को सहयोग देने हेतु उनके ज्ञान और कौशल को मजबूत करना था। कार्यशाला में सभी स्तनपान पद्धतियों, माताओं की चुनौतियों, पूरक आहार, स्तनपान से जुड़े मिथकों तथा बच्चों की वृद्धि निगरानी जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही, काउंसलिंग तकनीकों और माताओं को सफलतापूर्वक स्तनपान कराने में मदद करने के व्यावहारिक तरीकों पर भी जोर दिया गया।

दिल्ली सरकार ने विमान ईंधन पर वैट 25 प्रतिशत से घटाकर 7 किया

नई दिल्ली। हाल की वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों, उड्डयन क्षेत्र पर बढ़ते वित्तीय दबाव को देखते हुए दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एविएशन टर्माइन फ्यूल (एटीएफ) पर वैट दर को 25 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार यह रियायती दर प्रारंभिक तौर पर छह महीने की अवधि के लिए लागू की जाएगी। देश और दिल्ली हित में लिए गए इस निर्णय से सरकार को लगभग 985 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि दिल्ली एयरपोर्ट वर्तमान में देश का सबसे बड़ा एविएशन हब बना हुआ है। वर्ष 2024-25 में ईंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 8 करोड़ यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई, जो देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार उड्डयन, पर्यटन, व्यापार, लॉजिस्टिक्स और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा राष्ट्रीय राजधानी को देश का सबसे मजबूत आर्थिक और कनेक्टिविटी केंद्र बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार का यह निर्णय फिलहाल छह माह तक रहेगा।

जलभराव की समस्या से मिलेगी राहत ‘नरेला-बवाना रोड पर 55 करोड़ की ड्रेन परियोजना का शिलान्यास’

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को नरेला-बवाना रोड पर नरेला रेलवे क्रॉसिंग से डीजेबी आउटफॉल तक बनने वाली प्रीकास्ट आरसीसी ड्रेन परियोजना का शिलान्यास किया। यह परियोजना दिल्ली के ड्रेनेज मास्टर प्लान के तहत शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में जलभराव की समस्या का दीर्घकालिक और व्यवस्थित समाधान सुनिश्चित करना है।

इस मौके पर क्षेत्रीय सांसद योगेंद्र चांदोलिया, क्षेत्रीय विधायक राजकरण खत्री, निगम में स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष मोहन भारद्वाज सहित संबंधित अधिकारी और क्षेत्रीय गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री प्रवेश ने बताया कि करीब 55 करोड़ की लागत वाली यह परियोजना कुल 9.5 किलोमीटर



लंबाई में विकसित की जाएगी। इसके तहत सड़क के एक ओर 5 किलोमीटर और दूसरी ओर 4.5 किलोमीटर लंबी ड्रेन का निर्माण किया जाएगा।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि प्रीकास्ट तकनीक के

यातायात भी सुचारु रूप से चलता रहेगा

मंत्री ने बताया कि पारंपरिक निर्माण पद्धति की तुलना में प्रीकास्ट निर्माण से धूल, मलबा और सड़क पर सामग्री फैलने की समस्या काफी कम होती है। इससे आम लोगों को कम परेशानी होगी और यातायात भी सुचारु रूप से चलता रहेगा।

जरिए तेज, बेहतर और सुविधा के साथ निर्माण कार्य किया जा रहा

आधुनिक प्रीकास्ट तकनीक से होगा निर्माण

मंत्री प्रवेश ने बताया कि ड्रेन का निर्माण आधुनिक प्रीकास्ट तकनीक से किया जाएगा, जिसमें निर्माण के हिस्सों को पहले नियंत्रित वातावरण में तैयार किया जाता है और बाद में साइट पर असेंबल किया जाता है। इस तकनीक से निर्माण कार्य की गति तेज होती है, वहीं गुणवत्ता, मजबूती और एकरूपता भी बेहतर बनी रहती है।

ग्रोप अवधि में भी जारी रहेगा निर्माण कार्य

अधिकारियों के अनुसार, साइट पर प्रदूषण का प्रभाव न्यूनतम होने के कारण यह परियोजना ८८८८ अवधि के दौरान भी जारी रखी जा सकेगी। इससे परियोजना की समय-सीमा प्रभावित नहीं होगी और कार्य तय समय में पूरा किया जा सकेगा।

ताकि लोगों को जमीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव दिखाई दे।



विकास कार्यों को लेकर मंत्री रविन्द्र इन्द्राज ने उपराज्यपाल संधू से की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने अपने जन्मदिन के अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के जनहित एवं विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की और उनके समक्ष विभिन्न लक्षित एवं प्राथमिकता वाले मुद्दों को रखा। मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने दिल्ली में स्थित जल निकासी (वॉटर बोर्डिंग) के संरक्षण, ऑडिट, पुनर्जीवन एवं पुनर्विकास का विषय उठाते हुए कहा कि अनेक तालाब, झीलें, जोहड़ एवं पारंपरिक जल स्रोत उपेक्षा, अतिक्रमण एवं प्रदूषण के कारण प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बवाना विधानसभा सहित पूरी दिल्ली में जल निकासी की व्यापक समीक्षा, सफाई, डी-सिल्टिंग, वर्षा जल संचयन से जोड़ने तथा अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने दिल्ली की कॉलोनियों, गांवों एवं बस्तियों में स्वच्छ पेयजल, सड़क, सीवर, ड्रेनेज एवं अन्य मूलभूत नागरिक सुविधाओं को प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

एलजी ने दिल्ली भर में 101 जलाशयों के कार्याकल्प के लिए ‘जल संचय अभियान’ किया लॉन्च

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

दिल्ली के पारंपरिक पानी के स्रोतों के पुनरुद्धार, कार्याकल्प और संरक्षण के लिए उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) का ‘जल संचय अभियान’ शुरू किया। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में पर्यावरण की स्थिरता और पानी की सुरक्षा के बड़े विजन को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। उद्घाटन समारोह पश्चिमी दिल्ली के पश्चिम विहार स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क में आयोजित किया गया,



जिसमें क्षेत्र के विधायक करनैल सिंह और डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार मौजूद रहे। इस पहल के प्रथम

फेज में, लगभग 155 हेक्टेयर (383 एकड़) में फैले 101 चिह्नित जलाशयों का कार्याकल्प किया जाएगा। इनमें

जलाशयों को बचाने पर दिया जोर

क्षेत्र के विधायक करनैल सिंह ने भी आने वाली पीढ़ियों के लिए जलाशयों को बचाने और उनकी सुरक्षा करने की जरूरत पर जोर दिया और इस अभियान को हरी-भरी और सेहतमंद दिल्ली की तरफ एक जरूरी कदम बताया। पश्चिम विहार स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क के अंदर मौजूद लगभग 1.47 हेक्टेयर में फैले जलाशयों की भी इस कैम्प के तहत कार्याकल्प करने का काम शुरू किया गया है। फेज-एक के अंतर्गत, डीडीए ने तुरंत ठीक करने के लिए 101 जलाशयों की पहचान की है, जिनके 30 अगस्त 2026 तक कार्याकल्प करने का लक्ष्य है।

द्वारका जोन में 22, साउथ जोन में 13, रोहिणी जोन में 17 और नरेला जोन में 06 जलाशय शामिल हैं। इस मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने शहर में लंबे समय तक पानी की सुरक्षा, ग्राउंडवाटर रिचार्ज और इकोलॉजिकल बैलेंस सुनिश्चित करने के

रसूलपुर गांव में 12 वर्षों से डीटीसी बस सेवा बंद, ग्रामीणों में नाराज़गी



‘लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा’

पत्र में आरोप लगाया गया है कि गांव रसूलपुर के लोग पिछले 12 वर्षों से सार्वजनिक परिवहन सुविधा से वंचित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बस सेवा न होने के कारण विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों और नौकरीपेशा लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समिति ने यह भी

विधायक के साथ डीटीसी मुख्यालय पर देंगे धरना

चौगामा विकास समिति ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द बस सेवा शुरू नहीं की गई तो ग्रामीण विधायक के साथ मिलकर डीटीसी मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी। ग्रामीणों ने दिल्ली सरकार और डीटीसी प्रशासन से मांग की है कि गांव रसूलपुर समेत बाहरी दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए ताकि लोगों को बुनियादी यातायात सुविधा मिल सके।

दावा किया है कि संबंधित फाइल पिछले एक महीने से वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के लिए लंबित पड़ी है, लेकिन अधिकारियों द्वारा केवल ‘वीआईपी फाइल’ पर ध्यान दिया जा रहा है। पत्र में इसे अफसरशाही की मनमानी बताते हुए कहा गया है कि सत्ता पक्ष के विधायक की सिफारिश को भी नजरअंदाज किया जा रहा है, जो जनहित के खिलाफ है।

सीएम श्री स्कूल रोहिणी का आईएसएस अधिकारियों ने किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित सीएम श्री स्कूल, सेक्टर-8 रोहिणी का शुक्रवार को वरिष्ठ आईएसएस अधिकारियों ने दौरा किया। शिक्षा मंत्री कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस दौरान अधिकारियों ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, आधुनिक सुविधाओं और विद्यार्थियों के लिए विकसित किए गए नवाचार आधारित शिक्षण वातावरण का निरीक्षण किया।

दौरे पर पहुंचे पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्कूल एवं उच्च शिक्षा विभाग) बिनोद कुमार (आईएसएस) तथा भारत सरकार के समग्र शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना निदेशक विभु गोयल (आईएसएस) ने स्कूल परिसर में विकसित शिक्षण सुविधाओं का अवलोकन किया। विद्यालय प्रशासन ने अतिथियों का तितक और अंगवस्त्र पहनाकर पारंपरिक स्वागत किया। इसके बाद अधिकारियों ने फ्रीडम



■ नवाचार आधारित शिक्षण व्यवस्था, स्मार्ट क्लासरूम और विज्ञान लैब की सराहना

फाइटर्स पार्क, मल्टीपर्पज हॉल, शोभित रीडिंग रूम, कंप्यूटर लैब, फिजिक्स वाला लर्निंग हब एवं डाउट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशालाएं, कॉन्फ्रेंस रूम, स्ट्रेस बस्टर रूम, आर्ट रूम, जूनियर साइंस लैब, मेक्स लैब, जीरो वेस्ट प्रिंटींग सेंट्रल बैंक, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी और स्किल लैब का निरीक्षण किया।

खबर संक्षेप

ठगी के मामले में एक गिरफ्तार

फरीदाबाद। मंहगे कपड़े को सस्ते दामो पर स्पलाई करने के नाम पर 1,50,000 रुपए की ठगी के एक



मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने द्वारिका प्रसाद निवासी जिला गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार न्यू भुड़ कालोनी ओल्ड फरीदाबाद वासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसने फेसबुक पर मंहगे कपड़े को सस्ते में बेचने बारे एक विज्ञापन देखा था।

ठगी के मामले में 2 पकड़ाए

फरीदाबाद। टेलीग्राम टास्क के नाम पर 4,02,550 रुपए की ठगी के एक मामले में



साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने मोहम्मद फैजी व अकील शेख निवासी बरेली उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी मोहम्मद फैजी खाताधारक है, जिसका खाता अकील शेख ने खुलवाकर आगे ठगी को उपलब्ध करवाया था। खाता में ठगी के 49,200 रुपए आए थे। दोनों आरोपी को न्यायलय में पेश कर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

21.91 ग्राम स्लैक बरामद, 3 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। शनिवार 16 मई की



अल सुबह फरीदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच की 8 टीमों द्वारा नेहरू कॉलोनी एनआईटी-3 फरीदाबाद क्षेत्र में व्यापक सर्चिंग, कांbing अभियान चलाया गया। इस अभियान में 100 के करीब पुलिस कर्मचारी शामिल रहे। अभियान की कमान क्राइम ब्रांच बधरपुर बॉर्डर प्रभारी द्वारा संभाली गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि कांbing एवं सर्चिंग अभियान के दौरान क्राइम ब्रांच की विभिन्न टीमों ने कार्रवाई करते हुए नेहरू कॉलोनी क्षेत्र से 3 आरोपियों को स्मैक सहित गिरफ्तार किया है।

परिवार का आरोप जब महिला को अस्पताल लेकर गए वहां कोई नहीं था सरकारी अस्पताल की पार्किंग में महिला की डिलीवरी अंधेरे में टॉर्च लेकर खड़ी रही नर्स

हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

सेक्टर-3 स्थित एफआरयू सरकारी अस्पताल की पार्किंग में महिला की डिलीवरी कराई गई। पार्किंग में लाइट की व्यवस्था भी नहीं थी। महिला स्टाफ ने टॉर्च की रोशनी में डिलीवरी के बाद की सभी प्रक्रियाएं पूरी कीं। महिला के परिवार का आरोप है कि जब वे उसे डिलीवरी के लिए अस्पताल लेकर आए, तो वहां कोई भी स्टाफ मौजूद नहीं था। मेन गेट भी बंद था और इमरजेंसी वार्ड में भी कोई नर्स नहीं मिली। महिला को लेबर पेन हो रहा था। इसके बाद परिवार के साथ आई एक महिला ने पार्किंग में ही उसकी डिलीवरी कराई। महिला ने बेटे को जन्म दिया। परिवार के सदस्य व्हीलचेयर भी खुद ही लेकर आए। मामले में डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रचना का कहना है कि यदि कोई लापरवाही पाई जाती है, तो कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद के बल्लभगढ़ सेक्टर-3 सरकारी अस्पताल फर्स्ट रेफरल यूनिट में शुक्रवार-शनिवार रात करीब 2 बजे बड़ौली गांव का एक परिवार महिला की डिलीवरी कराने पहुंचा। महिला बलेश को लेबर पेन हो रहा था। बलेश के जेट चमन चंदीला ने कहा कि रात में

कैलाश मानसरोवर भवन का वीसी व सचिव ने अधिकारियों के साथ लिया तैयारियों का जायजा

जीडीए ने शुरू की कैलाश मानसरोवर यात्रा की तैयारी, 21 को होगा प्रेजेंटेशन

हरिभूमि न्यूज ►►गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने कैलाश मानसरोवर यात्रा की तैयारी शुरू कर दी है। इसी के चलते जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने जीडीए अधिकारियों के साथ शनिवार को इंद्रिापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन का निरीक्षण किया और तैयारी का जायजा लिया। इस मौके पर जीडी उपाध्यक्ष ने तैयारी में मिली खामियों को समय रहते दूर करने और मानसरोवर



यात्रियों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा की किसी भी सूरत में

कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दरअसल कैलाश मानसरोवर यात्रा जून माह में शुरू होगी। एक अनुमान के

मुताबिक कैलाश मानसरोवर यात्रा में करीब 1000 श्रद्धालुओं का ठहराव मानसरोवर भवन में होगा। 50- 50 के जत्थों में मानसरोवर यात्री यहां पहुंचेंगे। जहां पर ठहरने,भोजन, लॉन्ड्री आदि की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही मानसरोवर यात्रियों को मेडिकल सुविधा तथा ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके अलावा कौतन व पूजा पाठ का इंतजाम भी कैलाश मानसरोवर यात्रियों के लिए मानसरोवर भवन में होगा।

पीएम मोदी की अपील का असर- एक ही कार में मानसरोवर पार्क पहुंचे जीडीए उपाध्यक्ष व सचिव कैलाश मानसरोवर भवन के निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का भी असर दिखाई दिया। जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल व जीडीए सचिव विवेक मिश्रा एक ही कार में सवार होकर कैलाश मानसरोवर भवन पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारी का पूरा जायज लिया। इसके साथ ही जीडीए के मीडिया संयोजक रुद्रेश शुक्ला व दो अन्य अधिकारी भी एक ही कार में कैलाश मानसरोवर भवन पहुंचे। यानी प्रधानमंत्री द्वारा की गई अपील का असर भी अब सरकारी अफसर पर दिख रहा है।

साझा पहल का मकसद वैज्ञानिक तथ्यों नीति और जनता की कार्रवाई के बीच की दूरी को पाटना



हरिभूमि न्यूज ►►गुरुग्राम

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गंभीर वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सीएक्यूएम रिसोर्स लैब ने 'क्लीन एयर डायलॉग्स' की शुरुआत की है। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में हुए

उद्घाटन सत्र में सीएक्यूएम ने तीन बड़े निर्देश जारी किए। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और राहगिरी फाउंडेशन की इस साझा पहल का मकसद वैज्ञानिक तथ्यों, नीति और जनता की कार्रवाई के बीच की दूरी को पाटना है।

एनसीआर में प्रदूषण से निपटने को नीति-निर्माता और नागरिक एक मंच पर, यूपी में बनेगा पराली सुरक्षा बल

सीएक्यूएम के 3 बड़े निर्देश

सिर्फ इलेक्ट्रिक ऑटो का रजिस्ट्रेशन: दिल्ली एनसीटी में में 1 जनवरी 2027 से, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद और सोनीपत में 1 जनवरी 2028 से, तथा शेष एनसीआर में 1 जनवरी 2029 से केवल इलेक्ट्रिक 3-पहिया एलव वाहनों का पंजीकरण होगा।

बिना पीयूसी पेट्रोल नहीं:

वहीं 1 अक्टूबर 2026 से पूरे एनसीआर में बिना वैध पीयूसी प्रमाण पत्र के किसी भी वाहन को पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं दिया जाएगा।

पराली पर सख्ती

आगामी 15 मई 2026 को निर्देश संख्या 99 जारी कर पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को 2026 की फसल कटाई में पराली जलाना पूरी तरह खत्म करने को कहा गया है। इसके लिए खेतों की मैपिंग, नोडल अधिकारियों की तैनाती और पराली सुरक्षा बल का गठन होगा।

उद्घाटन सत्र का विषय एनसीआर का स्वच्छ वायु की ओर सफर: प्रगति, बाधाएं और आगे की राहें रहें। सीएक्यूएम अध्यक्ष राजेश वर्मा, आईएएस सेवानिवृत्त, ने कहा कि एनसीआर में वायु प्रदूषण एक जटिल, बहु-क्षेत्रीय चुनौती है। सीएक्यूएम पारदर्शी और सहयोगात्मक परिवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएक्यूएम के सदस्य सचिव तरुण कुमार पिठोड़े, आईएएस ने कहा: हमारी प्रमुख नियंत्रण के लिए हमारी स्तर पर कठोर कार्यान्वयन जरूरी है। हमारी प्राथमिकता स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर बाधाओं को पहचान करना और प्रवर्तन तंत्र बेहतर बनाना है।

एनसीआर में वायु प्रदूषण बहु-क्षेत्रीय चुनौती

नियामक और जनता एक मंच पर सत्र की संचालक एवं राहगिरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक सारिका पांडा ने कहा कि क्लीन एयर डायलॉग्स को इस तरह तैयार किया गया है कि नियामकों और समुदायों को एक ही मंच पर लाया जाए, ताकि वे एक-दूसरे को प्रभावी ढंग से समझ सकें। फैनल चर्चा में एनजीविव वेवर्स की निधि मदन के साथ सीएक्यूएम के तकनीकी सदस्य डॉ. विरिंदर शर्मा और डॉ. एस.डी. अत्री भी शामिल रहे।

भाजयुमो फरीदाबाद की प्रथम मासिक बैठक में संगठन विस्तार को लेकर बनी रणनीति

युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन का मजबूत स्तंभ है: पंकज रामपाल



हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

भारतीय जनता युवा मोर्चा फरीदाबाद की प्रथम मासिक बैठक आज सेक्टर-15 स्थित जिला कार्यालय में उत्साह, ऊर्जा और संगठनात्मक जोश के साथ संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सचिन ठाकुर ने की। बैठक में नव नियुक्त जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, जिला कार्यकारिणी सदस्यों एवं युवा कार्यकर्ताओं का परिचय कराया गया तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, बृथ सशक्तिकरण, युवा संपर्क अभियान और जनसेवा से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक में जिला युवा मोर्चा प्रभारी गोल्डी अरोड़ा, जिला महामंत्री अवतार चंदीला एवं रजनीश सिंह, जिला उपाध्यक्ष जसबीर चौधरी, अजय प्रताप, राजीव गौर, जिला सचिव कपिल दुल, कार्तिक शर्मा तथा हर्ष भड़ाना उपस्थित रहे। साथ ही जिला मीडिया प्रभारी गौरव भाटिया, जिला सोशल मीडिया प्रमुख अरुण

सिसोदिया, जिला आईटी प्रमुख राहुल वासुदेव, जिला सह आईटी प्रमुख गौरव कोहली, कार्यालय सचिव अभिषेक प्रताप सिंह, जिला कॉलेज आउटरीच संयोजक अंशुल नागर भी उपस्थित रहे। बैठक में मंडल अध्यक्षों में देवेन्द्र सिंह, लव शर्मा, नरुण गुप्ता, आकाश नरवत, अक्षय अवाना, सन्नी ठाकुर, हर्ष चौधरी एवं ओमवीर शाह विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जिला कार्यकारिणी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने बैठक को और अधिक प्रभावशाली बनाया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का वास्तविक सामर्थ्य उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है। युवा मोर्चा पार्टी की अग्रिम पंक्ति है और आने वाले समय में फरीदाबाद का प्रत्येक बृथ संगठन की ताकत का उदाहरण बनेगा। युवा कार्यकर्ताओं की ऊर्जा और समर्पण पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

डीसी आयुष सिन्हा ने की आमजन से जनगणना कार्य में सहयोग की अपील

जिले में जनगणना-2027 का कार्य 92 प्रतिशत तक पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ►►फरीदाबाद

डीसी आयुष सिन्हा ने बताया कि जिले में जनगणना का कार्य पूरी जिम्मेदारी और सुव्यवस्थित ढंग से लगातार आगे बढ़ाया

जा रहा है। सभी चार्ज अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से फील्ड में पहुंचकर मकान सूचीकरण कार्य का निरीक्षण किया जा रहा है। अधिकारी विभिन्न क्षेत्रों में प्रगणकों से संवाद कर सर्वे कार्य की जानकारी ले रहे हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दे रहे हैं। साथ ही कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की लगातार समीक्षा की जा रही है, ताकि जनगणना का कार्य तय समय सीमा के भीतर प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिले के कुल 4648 ब्लॉकों में से 4300 ब्लॉकों में

कार्य शुरू हो चुका है और जिले की कुल प्रगति 92 प्रतिशत तक पहुंच गई है। नगर निगम फरीदाबाद क्षेत्र में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स के कार्य को लेकर विभिन्न जोन में कार्य प्रगति पर है। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार कुल 4061 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स में से 3722 ब्लॉक्स में कार्य शुरू किया जा चुका है, जबकि 63 ब्लॉक्स में कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स के कार्य में तेजी से प्रगति हो रही है।

पति हत्या करने बाद सीधे थाने पहुंचा 80 साल के बुजुर्ग ने 72 वर्षीय पत्नी की कुल्हाड़ी मारकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ►►गाजियाबाद

मुरादनगर के रावली कला गांव में शनिवार तड़के एक 80 वर्षीय बुजुर्ग ने 72 वर्षीय पत्नी पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर मौत के घाट उतार दिया। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद बुजुर्ग सीधा थाने पहुंचा पुलिस को खुद ही पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी।

बुजुर्ग ने पुलिस से कहा कि उसने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस उसे साथ लेकर उसके घर पहुंची। जहां महिला चारपाई पर लटलुहान अवस्था में तड़प रही थी। घायल महिला को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस विभात्स हत्यकांड के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

आरोपी के नाती का कहना है कि उसके नाना-नानी के बीच अक्सर झगड़ा होता था। रात भी वे लोग अंदर सोए हुए थे, जबकि नाना-नानी आंगन में थे। रात में झगड़ा होने के बाद नाना ने नानी को मार डाला। शनिवार सुबह लगभग चार बजे हरपाल पुत्र खचेडू निवासी रावली कला, नाना मुरादनगर ने रावली चौकी पहुंचकर पुलिस को सूचना दी कि उसने अपनी पत्नी को कुल्हाड़ी से काट दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत हकत में आई और मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरूआती जांच में सामने आया है कि पति को पत्नी पर चरित्र पर शक था। उसे लगता था कि पत्नी का बाहर किसी से अवैध संबंध है। वहीं, बुजुर्ग मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है।

विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य शिविर का आयोजन

फरीदाबाद। भांखरी स्थित संतश्री आशाराम जी बापू आश्रम में विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य शिविर का तीसरा दिन संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मेयर प्रवीण बत्रा जोशी मौजूद रही। आश्रम पहुंचने पर संचालक रामा भाई ने मेयर प्रवीण बत्रा जोशी का स्वागत किया। मेयर जोशी ने शिविर में मौजूद विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सती अनुसूईया जी की ब्रह्म, विष्णु, महेश जी को अपने योग बल से अपना बालक बनाने की कथा सुनाई।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त, रवि कुमार चर्फ रवि शर्मा पंजाब मिल्क प्रोडक्ट, पत्ता: H-11, कर्मपुरा, नई दिल्ली-110015, ने **CC NO. 543831/2016, U/s 138 NIAct**, थाना: प्रसाद नगर, नई दिल्ली, के अधीन दायरनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, रवि कुमार चर्फ रवि शर्मा मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, रवि कुमार चर्फ रवि शर्मा, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामीली से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC NO. 543831/2016, U/s 138 NIAct**, थाना: प्रसाद नगर, नई दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, रवि कुमार चर्फ रवि शर्मा, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेश शानुसार श्री अरविंद तामर एल.डी. न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी (NIACT)-07 केंद्रीय जिला, कर्मरा नं 507 तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6384/CD/2026 (Court Matter)

प **केन्द्रीय पेट्रोसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)**
Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology
(Dept. of Chemicals & Petrochemicals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India)
50वां माइल स्टोन, डीसीआरयूएसटी कैम्पस, मुरथल, सोनीपत, हरियाणा- 131039

फोन : 0130-2203000, ईमेल : murthal@cipet.gov.in, वेबसाइट : www.cipet.gov.in
Telephone No.: 0130-2203000, E-Mail ID: murthal@cipet.gov.in, website: www.cipet.gov.in

सिपेट : डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए प्रवेश
CIPET - Admission in Diploma Level Programmes for the academic year 2026-27

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) 2026 / CIPET ADMISSION TEST-2026
Apply Online: <https://cipet26.onlineregistrationform.org/CIPET/> ऑनलाइन आवेदन करें: <https://cipet26.onlineregistrationform.org/CIPET/>

क्र. संख्या Sl.No.	पाठ्यक्रम का नाम Name of Course	पाठ्यक्रम की अवधि Course Duration	प्रवेश योग्यता Entry Qualification
01.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी) Diploma in Plastics Mould Technology (DPMT)	3 वर्ष 3year	कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std.
02.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी) Diploma in Plastics Technology (DPT)	3 वर्ष 3year	कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std.
03.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पीजीडी-पीपीटी) Post Graduate Diploma in Plastics Processing & Testing (PGD-PPT)	2 वर्ष 2year	विज्ञान में 3 वर्ष की डिग्री 3year Degree in Science
04.	पोस्ट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड डिजाइन विथ कैड/केएम (पीडी - पीएमडी विथ कैड/केएम) Post Diploma in Plastics Mould Design with CAD/CAM (PD-PMD with CAD/CAM)	1 1/2 वर्ष 1 1/2 year	मेकेनिकल/प्लास्टिक्स/पॉलीमर/टूल/टूल एवं ड्राई मेकिंग/उत्पादन/ मेकट्रोनिक्स/ ऑटोमोबाइल/ पेट्रोकेमिकल्स/ औद्योगिक/ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या डी.पी.एम.टी./ डी.पी.टी. या समकक्ष Diploma in Mechanical/Plastics/Polymer/Tool/Tool & Die Making/Production/Mechatronics/Automobile/ Petrochemicals / Industrial/ Instrumentation Engg./ Technology or DPMT/DPT or Equivalent

प्रवेश योग्यता परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार भी उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने योग्य हैं।
Candidates appearing for the entry qualification examination are also eligible to apply for all the above courses

कोई उम्र सीमा नहीं। छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रवास
No Age Bar / Separate Hostel Accommodation for Boys & Girls

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की महत्वपूर्ण तिथियां	ऑनलाइन आवेदन के लिए CAT Online application submission	15.12.2025
CIPET ADMISSION TEST (CAT)	ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि Date of closure for CAT application submission	28.05.2026
	सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की तिथि Date of CAT all over India	07.06.2026

संपर्क सूत्र : 9466146015, 90663356322, 9896380485, 8950050008, 9888446869
विज्ञापन क्रमांक :- 2026-27/4 www.cipet.gov.in निदेशक एवं प्रमुख

खबर संक्षेप

प्रदेश में अब दो दिन वर्क फ्रॉम होम

लखनऊ। प्रदेश में बढ़ती लागत और गैस की कमी के चलते श्रम विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में



महत्वपूर्ण फैसले लिए। तय किया गया कि ऊर्जा खपत कम करने सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था लागू की जाएगी। वहीं कार्यालयों व फैक्ट्रियों को अलग-अलग शिफ्ट में संचालित करने का निर्णय लिया गया है। गैस आपूर्ति प्रभावित होने से उत्पादन लागत बढ़ी है, जिससे कई उद्योगों में नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है।

भ्रष्ट इंजीनियर के ठिकानों पर ईओडब्ल्यू की रेड

पटना। बिहार के एक भ्रष्ट अधिकारी इंजीनियर गोपाल कुमार पर आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने शिकंसा कस दिया है। झाड़ा में ग्रामीण कार्य प्रमंडल में तैनात कार्यपालक अभियंता गोपाल कुमार पर दो करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति बनाने का आरोप है। पटना और जमुई में उनके चार ठिकानों पर ईओयू की कार्रवाई की जा रही है जहां से चालीस लाख नगद, ज्वेलरी और प्रॉपर्टी के कागाजात बरामद किए गए हैं।

हरिद्वार में प्रतीक यादव की अस्थियों का विसर्जन

लखनऊ। मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव की अस्थियों का हरिद्वार के वीआईपी घाट पर धार्मिक रीति-रिवाजों व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा में विसर्जन किया गया। प्रतीक का 13 मई को

आकस्मिक निधन हो गया था। उनकी पत्नी अपर्णा यादव, पुत्रियां प्रथमा व पद्माजा, अपर्णा के पिता अरविंद सिंह बिष्ट तथा भाई अमन सिंह बिष्ट अस्थि कलश लेकर हरिद्वार पहुंचे।

राजनाथ भी दे चुके ऐसी ...

उक्त बयान से पहले भी पाकिस्तान को दो टूक अंदाज में संदेश देते हुए कहा था कि अगर वो अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आता है। तो अब परिणाम काफी गंभीर होंगे। पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तो हमने कुछ संयम बरता था। लेकिन अब ऐसा कुछ होने पर संयम की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी और हमारी प्रतिक्रिया यानी अभियान भी पहले के मुकाबले बेहद मारक होगा।

पहलगाम के बाद गर्त में चले गए संबंध: गौरतलब है कि भारत के पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंध वैसे तो बीते कुछ वर्षों से तल्ख ही बने हुए थे। लेकिन पिछले साल 22 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन ‘द रेजिस्टेंस फ्रंट’ के आतंकवादियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में किए गए हमले (कुल 26 लोग मारे गए) के बाद से दोनों देशों के संबंध पूरी तरह से पटरी से उतर गए हैं। भारत ने पाकिस्तान को साफ शब्दों में यह बता दिया है कि उसका ऑपरेशन सिंदूर अभियान अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। अगर पाक ने भारत के खिलाफ अपनी किसी आतंकी मंशा को पूरी करने की हिमाकत की तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। वहीं, यह भी कहा है कि आतंकवाद और बातचीत किसी भी सूरत में साथ-साथ नहीं चल सकते हैं। फिलहाल दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बेपटरी हैं, सिंधु नदी समझौता स्थगित है और किसी तरह का कोई व्यापार भी नहीं हो रहा है।

न्यायपालिका को अस्पतालों ...

न्यायालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था देश के सभी न्यायालयों में लागू की जाए। वे शनिवार को जबलपुर में आयोजित ‘फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजन: एम्पावरिंग जस्टिस बया-यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म इंटीग्रेशन’ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मप्र उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, मुख्य सचिव अनुराग जैन, कानूनविद एवं न्यायविद मौजूद थे।

वार्ड स्तर पर स्थापित संकेत समाधान मध्यस्थता केंद्रों का शुभारंभ: कार्यक्रम में हाईकोर्ट के डिजिटल प्लेटफॉर्म की लॉन्चिंग की गई। मप्र हाईकोर्ट ने लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए अपना नया क्लास (कोर्टरूम लाइव ऑडियो-विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम) लॉन्च किया। यह एक ओटीटी स्टाइल में तैयार किया गया डिजिटल सिस्टम है, जिससे थर्ड पार्टी सिस्टम पर निर्भरता खत्म होगी और लाइव स्ट्रीमिंग का पूरा कंट्रोल हाईकोर्ट अथॉरिटी के

राजकुमार भाटी के जरिए सपा को घेरा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ब्राह्मणों के खिलाफ बयान देकर धिरे गए हैं। माजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अब बड़ा हमला बोल दिया है।

एजेसी ►► लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच तमाम राजनीतिक दल समीकरणों को साधने में जुट गए हैं। इस क्रम में उत्तर प्रदेश के दो मुख्य राजनीतिक दल भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच मुद्दों को जमीन पर उतरने की कवायद तेज हो गई है। ब्राह्मण वोट बैंक का मुद्दा पिछले कुछ समय में खूब



गरमाया रहा है। समाजवादी पार्टी ने पिछले कुछ समय में भाजपा पर ब्राह्मणों

की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए हमला बोला। वहीं, अबभाजपा के हाथ बड़ा मौका लगा है। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के बयान के बाद भाजपा हमलावर है। भाजपा के यूपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सीधे तौर पर राजकुमार भाटी के जरिए समाजवादी पार्टी को घेरा है। उन्होंने कहा है कि राजकुमार भाटी ने हर समाज को अपने बयानों के जरिए अपमानित किया है।

योगी सरकार की अनुदेशकों को बड़ी सौगात
आज पूरे राज्य में होंगे भव्य कार्यक्रम
सौंपे जाएंगे बड़े हुए मानदेय के चेक

योगी सरकार 17 मई को पूरे उत्तर प्रदेश में अंशकालिक अनुदेशकों के बड़े हुए मानदेय वितरण के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित करेगी...

प्रदेश सरकार अंशकालिक अनुदेशकों के सम्मान और उनके बड़े हुए मानदेय वितरण को लेकर रविवार 17 मई को पूरे उत्तर प्रदेश में भव्य कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। राजधानी लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अंशकालिक अनुदेशकों के सम्मान एवं बड़े हुए मानदेय वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम सायं 4 बजे से आयोजित होगा। सरकार द्वारा पूर्व में जारी शासनादेश के तहत अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि का निर्णय लिया गया था।

खास बातें

- लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी करेंगे मानदेय वितरण का शुभारंभ
- अंशकालिक अनुदेशकों को मिलेगा बढ़ा हुआ मानदेय चेक



बढ़ा हुआ मानदेय 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी किया गया है। इसी के तहत अब प्रदेशभर में प्रतीकात्मक चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निर्देशों

बड़े हुए मानदेय के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए जाएंगे

जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में शिक्षकों, अंशकालिक अनुदेशकों और आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के समापन के बाद जिलों में जनप्रतिनिधियों द्वारा अंशकालिक अनुदेशकों को बड़े हुए मानदेय के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए जाएंगे। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम और जनप्रतिनिधियों के संबोधन भी आयोजित होंगे।

खेत तालाब योजना में किसानों को 52500 का अनुदान दे रही योगी सरकार

यूपी सरकार लगातार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए महत्वकांक्षी योजनाएं चला रही है। सरकार का प्रयास है कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि समृद्ध और आत्मनिर्भर उद्यमी भी बनें। इसी क्रम में 'खेत तालाब योजना' किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। यह योजना जल संरक्षण और कृषि उत्पादन बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एजेसी ►► मधुबनी

केवल असम व पश्चिम बंगाल ही नहीं, बिहार में भी घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि बिहार से भी जल्द घुसपैठियों को बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू होगी। उन्होंने कहा कि इसको लेकर केंद्र सरकार गंभीर है और विस्तृत रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

बीएसएफ ने फेंसिंग शुरू की

सीमांचल में पहले चरण में कार्रवाई

मधुबनी जिले के मधेपुर में आयोजित भाजपा के झंडारपुर जिला प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले चरण में सीमांचल क्षेत्र में अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेष गठन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से भी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सीमांचल क्षेत्रों का तीन दिवसीय दौरा कर चुके हैं और इस मुद्दे पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

नित्यानंद राय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत वहां की टुट्टिकरण और अराजकता की राजनीति पर प्रहार होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनते ही बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ फेंसिंग कार्य को गति मिलेगी।

पेज एक का शेष

राजनाथ भी दे चुके ऐसी ...

उक्त बयान से पहले भी पाकिस्तान को दो टूक अंदाज में संदेश देते हुए कहा था कि अगर वो अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आता है। तो अब परिणाम काफी गंभीर होंगे। पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तो हमने कुछ संयम बरता था। लेकिन अब ऐसा कुछ होने पर संयम की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी और हमारी प्रतिक्रिया यानी अभियान भी पहले के मुकाबले बेहद मारक होगा।

पहलगाम के बाद गर्त में चले गए संबंध: गौरतलब है कि भारत के पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंध वैसे तो बीते कुछ वर्षों से तल्ख ही बने हुए थे। लेकिन पिछले साल 22 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन ‘द रेजिस्टेंस फ्रंट’ के आतंकवादियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में किए गए हमले (कुल 26 लोग मारे गए) के बाद से दोनों देशों के संबंध पूरी तरह से पटरी से उतर गए हैं। भारत ने पाकिस्तान को साफ शब्दों में यह बता दिया है कि उसका ऑपरेशन सिंदूर अभियान अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। अगर पाक ने भारत के खिलाफ अपनी किसी आतंकी मंशा को पूरी करने की हिमाकत की तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। वहीं, यह भी कहा है कि आतंकवाद और बातचीत किसी भी सूरत में साथ-साथ नहीं चल सकते हैं। फिलहाल दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बेपटरी हैं, सिंधु नदी समझौता स्थगित है और किसी तरह का कोई व्यापार भी नहीं हो रहा है।

पेज एक का शेष

पास होगा। मप्र हाईकोर्ट का नया पोर्टल भी लॉन्च किया गया। यहां जज, वकील और फरियादियों के लिए कोर्ट के ऑर्डर, बेल एप्लिकेशन सहित अन्य जरूरी दस्तावेज आसानी से उपलब्ध होंगे। यह प्यूचर रेडी ज्यूडिशियल सिस्टम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मप्र हाईकोर्ट ने डिजिटल डेटा मैनेजमेंट सिस्टम 'प्रथम' भी लॉन्च किया है।

तकनीक का समन्वय न्याय व्यवस्था को और अधिक विश्वसनीय बनाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से प्रक्रियाएं पारदर्शी होंगी, जिसका सीधा परिणाम आम नागरिक को त्वरित न्याय मिलने के रूप में सामने आएगा। तकनीक का यह समन्वय हमारी न्याय व्यवस्था को और अधिक विश्वसनीय बनाएगा। वर्तमान समय तकनीक और नवाचार का है। केंद्रीय विधि एवं कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था में यह दिन ऐतिहासिक है। मप्र सिंहासन बत्तीसी की धरती है, सम्राट विक्रमादित्य का सिंहासन धरती में दबकर भी न्याय करता था। मप्र ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ जस्टिस की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मप्र सीसीटीएनएस और मुक-बधिरों के लिए एप्लीकेशन की शुरुआत करने वाला नवाचारी राज्य है।

वैश्विक परिस्थितियों के ...

इनकी वजह से यह दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक बन रहा है। अगर इन चुनौतियों के साथ परिस्थितियां तेजी से नहीं बदली गईं, तो पिछले कई दशकों की हमारी उपलब्धियों पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बहुत बड़ी आबादी फिर से गरीबी के दलदल में चली जाएगी। बताते चलें कि पीएम 5 देशों (यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नावें और इटली) की अपनी विदेश यात्रा के तहत नीदरलैंड से पहले 15 मई को यूएई गए थे। जहां पश्चिम-एशिया संकट की वजह से भारत की एलपीजी की स्पलाई में आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए खाड़ी के इस महत्वपूर्ण देश के साथ एक जरूरी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

21 वीं सदी का भारत ...

पुरखों के गांव से जुड़ने और विकसित भारत की यात्रा में भागीदारी करने का है। मैं, भारतीय समुदाय के सभी लोगों से कहूंगा कि अपने देश में ज्यादा से ज्यादा सहयोग बढ़ाएं। जिससे न केवल भारत का सामर्थ्य बढ़ेगा, रिटर्न भी अधिक मिलेगा। यह मोदी की गारंटी है।

संस्कृति की आस्था ...

त्योहारों की यादें, भजन की धुनें और पूर्वजों के संस्कार। मानवता का इतिहास साक्षी है कि समय के साथ कई संस्कृतियां मिट गईं। लेकिन भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति वर्तमान समय

में भी अपने लोगों के दिल में धड़कती है। पीढ़ियां बदल गईं, देश बदल गए, परिवेश बदल गए। लेकिन परिवार के संस्कार, अपनापन नहीं बदले। भारतीयों ने यहां डच भाषा के साथ-साथ अपने पुरखों की भाषा को भी नहीं छोड़ा है।

इंडियन फ्रेंडशिप में ...

कहा, नीदरलैंड का ट्यूलिप, भारत का कमल का फूल हमें बताता है कि जुड़े पानी के अंदर हो, धरती पर सही पोषण मिले तो सुंदरता के साथ ताकत भी आती है। यही दोनों देशों के बीच साझेदारी का भी आधार है।

बताया 16 तारीख का महत्व : प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 16 तारीख है। जो बहुत ही विशेष है। आज से 12 साल पहले 16 मई को 2014 को बहुत ही खास हुआ था। क्योंकि तब लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे। दशकों बाद भारत में स्थिर, पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनना तय हुआ था। एक वो दिन था और एक आज का दिन है। कोटि- कोटि भारतीयों का विश्वास मुझे रुकने और थकने नहीं देता है। मेरी राजनीतिक यात्रा में 13 साल मुख्यमंत्री के रूप में, 12 साल पीएम के रूप में और लोकतांत्रिक दुनिया में 25 वर्षों तक करोड़ों-करोड़ मतदाताओं का लगातार समर्थन मेरे लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है। मेरे लिए ये आशीर्वाद नहीं। बल्कि बहुत बड़ी जीवन का पल-पल देशवासियों के सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करता है।

तस्वीरों से बयान किया स्वागत का सार : एम्स्टर्डम पहुंचने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर कुछ पोस्ट की और उनके जरिए भारतीयों के जोरदार स्वागत के लिए उनका धन्यवाद किया। कुछ तस्वीरों के माध्यम से उन्होंने इसकी झलकियां प्रस्तुत की। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, कल नीदरलैंड पहुंचने पर भारतीयों ने दिल को छू लेने वाला जो स्वागत किया है। उसे लेकर मैं अभिभूत हूं। प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री के आगमन पर एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया था। जिसमें देश के विभिन्न भागों की पारंपरिक नृत्य शैलियां मौजूद थीं। जैसे कथक, ओडिसी, भरतनाट्यम, कुचिपुडी, मोहिनीअट्टम और गरबा नृत्य। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी नीदरलैंड की यह यात्रा एक ऐसे समय में हो रही है। जब भारत, ईयू के बीच एफटीए ने व्यापार-निवेश संबंधों को मजबूती प्रदान की है। जिससे सेमीकंडक्टर, जल, स्वच्छ ऊर्जा तथा अन्य क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत बनाने का मौका मिला है।

लचीली सप्लाई चेन...

मुक्त व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे भारत और नीदरलैंड की साझेदारी की भी और अधिक बल मिलेगा। जिसका सीधा फायदा नीदरलैंड में रह रहे भारतीय व्यापारियों को होगा। नीदरलैंड भारतीय उद्योगपतियों के लिए यूरोप में प्रवेश करने का स्वाभाविक प्रवेश द्वार

बनेगा। हमारी इस यात्रा में प्रवासी भारतीयों दोनों देशों के बीच एक भरोसेमंद पुल बन सकते हैं। वह अपने देश की महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ यूरोप के मानकों को अच्छी तरह से समझते हैं। यही वजह है कि यहां बसे भारत के लोगों को भी देश के उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों के ज्यादा मौके मिलेंगे।

एनटीए की एक्सपर्ट ...

का दावा है कि इनमें से अधिकांश सवाल 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा के वास्तविक प्रश्नपत्र से मेल खाते हैं। सीबीआई ने पिछले 24 घंटों में देशभर में 6 ठिकानों पर छापेमारी की की है। अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, गुणे और अहिल्यानगर से कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से 5 आरोपियों को अदालत में पेश कर 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

आईसीएआर के 113 ...

संस्थानों की वास्तविक स्थिति समझकर उन्हें अधिक सक्षम, उत्तरदायी और प्रभावशाली बनाना है। बैठक की शुरुआत में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पुणे स्थित आईसीएआर के राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान संस्थान के 15 मई को औपचारिक निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों, अव्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली संबंधी कमजोरियों पर गंभीर नाराजगी और कड़ी आपत्ति दर्ज की। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि वहां पर उपस्थित मुख्य अधिकारी को अंगूर संस्थान के बारे में बेसिक जानकारी भी नहीं थी। पहले मुझे फोल्ड पर जाने से टाला गया, कहा कि अभी अंगूर नहीं है। वहां पहुंचने पर देखा कि नर्सरी में घास उगी हुई है। कानूने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे ऐसा जवाब कहां तक उचित है? वहां के प्रमुख अधिकारी किसी भी सवाल का उचित जवाब नहीं दे पाए, मेरे पूछने पर कि एक्सपर्ट के लिए क्या कर रहे हैं, रोगों से निपटने के क्या प्रबंध हैं, वैरायटी को बढ़ाने की योजना है, कोई भी जवाब संतोषजनक नहीं था। उनके पास कोई विजन नहीं था। ग्रेप्स संस्थान का प्रस्तुतिकरण भी बहुत नीरस था। किसानों ने मुझसे कहा कि हम वैरायटी निजी नर्सरी से लेते हैं, यहां की वैरायटी किसी उपयोग की नहीं रहती है।

चौहान ने डीडीजी (बागवानी) डॉ. एस.के. सिंह से भी बैठक में सवाल किए कि आप डीडीजी होने के नाते क्या देख रहे थे, आप कब से संस्थान के दौरे पर नहीं गए, आपका अंतिम दौरा कब था, डीडीजी के नाते आपकी जिम्मेदारी भी है आपके अंतर्गत आने वाले संस्थान सही तरीके से काम करे। हम किसानों और देश के लिए काम कर रहे हैं। ऐसी अव्यवस्था और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर ऐसे संस्थान चल रहे तो यह नेशनल लांस है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि निरीक्षण के दौरान जो स्थिति सामने आई, उससे वे बहुत निराश हुए हैं और यह स्पष्ट संकेत है कि कुछ संस्थानों में व्यवस्थागत सुधार की तत्काल आवश्यकता है।

27 में सपा साफ का दिया नारा: 2017 की तर्ज पर यूपी विधानसभा चुनाव में सफलता अर्जित करने का दावा

सपा की ओर से किया जाने वाला समाजवाद छलावा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर राजकुमार भाटी के ब्राह्मण समाज को लेकर दिए गए बयान के जरिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाज का ऐसा कोई भी वर्ग नहीं बचा, जिसे सपा नेता राजकुमार भाटी ने अपनी भाषा से अपमानित न किया हो। प्रदेश अध्यक्ष ने सवाल किया कि कभी ब्राह्मण समाज को निशाना बनाना, कभी महिलाओं को अपमानित करना तो कभी जाट एवं गुर्जर समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाना और अंत में अपने ही सनातन धर्म पर सवाल खड़ा कर देना, क्या यही सपा का समावेशी विकास है? पंकज चौधरी ने कहा कि जिस नेता का काम ही समाज के विभिन्न वर्गों के बीच कटुता फैलाना हो, उनके साथ मिलकर सपा की ओर से किया जाने वाला समाजवाद महज एक छलावा है।

नित्यानंद राय ने बताया केंद्र का प्लान बिहार से घुसपैठियों को निकालने की तैयारी तेज



एजेसी ►► मधुबनी

केवल असम व पश्चिम बंगाल ही नहीं, बिहार में भी घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि बिहार से भी जल्द घुसपैठियों को बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू होगी। उन्होंने कहा कि इसको लेकर केंद्र सरकार गंभीर है और विस्तृत रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

बीएसएफ ने फेंसिंग शुरू की

सीमांचल में पहले चरण में कार्रवाई

मधुबनी जिले के मधेपुर में आयोजित भाजपा के झंडारपुर जिला प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले चरण में सीमांचल क्षेत्र में अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेष गठन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से भी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सीमांचल क्षेत्रों का तीन दिवसीय दौरा कर चुके हैं और इस मुद्दे पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

नित्यानंद राय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत वहां की टुट्टिकरण और अराजकता की राजनीति पर प्रहार होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनते ही बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ फेंसिंग कार्य को गति मिलेगी।



बेटी की उम्र की छात्रा से अश्लील डिमांड करने वाला प्रोफेसर हिरासत में

एजेसी ►► लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर और एक स्नातक छात्रा के बीच कथित बातचीत की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछता



कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

नमस्कर डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चरमा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इम्प्लंटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंबियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ



यूजेनिक्स क्या है

यूजेनिक्स एक ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अव्यापक गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोकना जाता है, जो अकस्मर जबड़न लबाखड़ी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाज़ी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।



कविता

अवतार सिंह अक्षरजीवी

स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्भियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।



ब्लास्टोसिस्ट क्या है

ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रॉफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रोमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इम्प्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।
बीमारियों से मुक्ति: इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।
बनगए सुपर ह्यूमन: जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

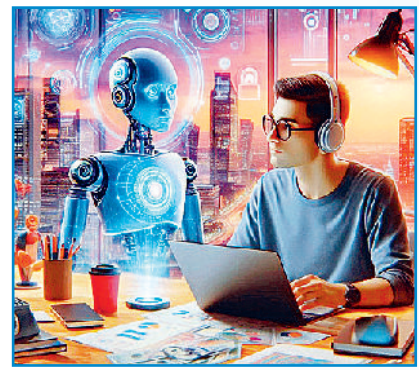
चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियर' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रृंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जा सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रृंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जा सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *



यंगस्टर्स को लुभाएंगे फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

अपकमिंग ट्रेंड
अनु जैन

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।



डेटा डिटैक्टिव: करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरो है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणितीय और लॉजिकल पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सों जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

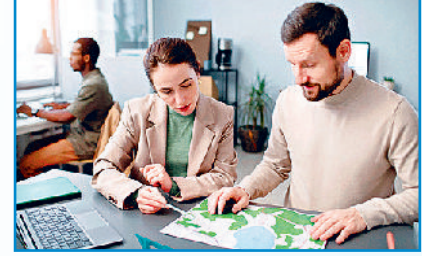
गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स: वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फीलड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिटिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेंगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हार्ड इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

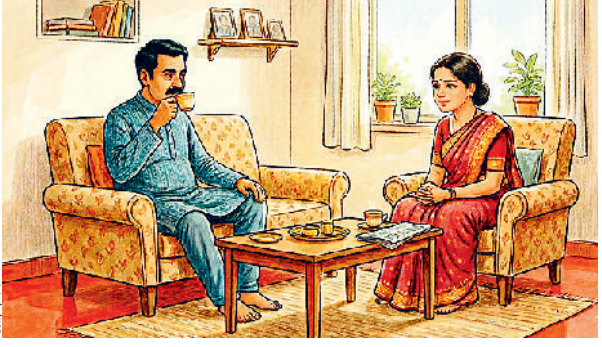
साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।
प्रॉम्ट इंजीनियरिंग: चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्टिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।
कंटेंट क्रिएशन और इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग: यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड पार्टनर के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनान्स्युएंस और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल रैंगर मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट: दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते



हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपको प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

पतझड़



समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्रश्रियचत कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झोंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ

सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रश्नां की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें

अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुझकर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

-डॉ. सुबोध भटनागर

तस्वीर



पापा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूँ। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन है ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये यही ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचा।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुझकर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचा अब कहाँ हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभावित रूप से कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की

जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटा का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना।' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। अशोक उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकूँगा।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूँ ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटा यह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेटे पर एक लंबी एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

-गोविंद भारद्वाज

प्रतिका चर्चा / विज्ञान भूषण

लोक-संस्कृति का प्रवाह

रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी



लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारा' एक

लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारा' एक

प्रतिका चर्चा / विज्ञान भूषण

धार भोजशाला मामले पर आए फैसले से हिंदू धर्मगुरुओं में खुशी की लहर, बोले- राम मंदिर जैसा ऐतिहासिक फैसला

भोपाल। धार भोजशाला को लेकर मप्र हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इस फैसले को लेकर हरिभूमि ने राजधानी के हिंदू धर्मगुरुओं-संतों, जनप्रतिनिधियों से बात की। उन्होंने इस फैसले को राम मंदिर जैसा ऐतिहासिक बताते हुए इसका स्वागत किया और खुशी जताई है।

धार भोजशाला पर हाईकोर्ट के निर्णय से प्रसन्न संगठन करेंगे आज हवन-पूजन

संवैधानिक व्यवस्था के तहत हिंदुओं ने कानूनी लड़ाई लड़ी, जिसके बाद यह फैसला आया

हाईकोर्ट का निर्णय भारतीय संस्कृति, आस्था, विरासत के सम्मान को नई मजबूती प्रदान करने करने वाला

न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाने पर जोर

जाति एवं वर्गों को हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान करना चाहिए

अखिल भारतीय संत समिति मप्र के कार्यकारी अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अनिलानंद महाराज ने कहा कि भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट द्वारा जो फैसला सुनाया गया, वह सर्वमान्य होना चाहिए, क्योंकि भारतीय संविधान के अनुसार हम लोग कोर्ट का अनुपालन करते हैं और सम्मान करते हैं। सभी जाति और वर्गों को कोर्ट का सम्मान करना चाहिए और निर्णय को स्वीकार करें। हिंदू संस्कृति के हिसाब से वहां मंदिर होने के संबंध में हाईकोर्ट ने जो फैसला दिया है, उसकी सभी को मान्य होना चाहिए। हम सभी कोर्ट का सम्मान करेंगे। उसको स्वीकार करेंगे, तथ्यों के आधार पर राजा भोज के द्वारा माता सरस्वती का वहां स्थान जो बनाया गया था, वह प्रमाणित हो चुका है।

धार भोजशाला का फैसला हिंदू धर्म की जीत

धार भोजशाला का फैसला हिन्दू धर्म की जीत है। इस फैसले से भेल बरखड़ा स्थिति मां सरस्वती देवी मंदिर में आने वाले भक्तों व बिहार सांस्कृतिक परिषद में खुशी की लहर है। यह भी एक ऐतिहासिक मंदिर है, जिसकी स्थापना 66 साल पहले 1960 में की गई थी, तभी से इस मंदिर में हर साल वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। हाई कोर्ट के फैसले के बाद अब हिन्दू समाज के लोग आ-जा सकेंगे। वहां पर पूजा कर सकेंगे। यह तो पहले से ही तय था कि वहां सरस्वती माता का मंदिर है। कोर्ट के फैसले से यह साबित भी हुआ। परिषद के महासचिव सतेंद्र कुमार ने बताया कि इस फैसले के बाद मंदिर में शनिवार को हवन-पूजन व प्रसादी वितरण किया जाएगा।

भोजशाला के लिए सनातनियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया

मां चामुंडा दरबार भोपाल पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि धार भोजशाला मामले को लेकर जो फैसले आया है, वह स्वागत योग्य है। यह सत्य और सनातन की जीत है। भारत के सनातन हिंदू धर्म पर इतिहास में लगातार आक्रमण हुए, मंदिर तोड़े गए और हिंदुओं पर अत्याचार किए गए। लेकिन इसके बावजूद हिंदू समाज अपनी संस्कृति और धर्म के लिए लगातार संघर्ष करता रहा। भोजशाला के लिए सनातनियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया। हम सभी सनातनियों को न्यायालय पर विश्वास बना रहा। उसी विश्वास और सत्य की जीत हुई है। यह केवल एक कानूनी जीत नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की जीत है।

जैसी उम्मीद थी, वैसा आया फैसला

मप्र परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया ने भोजशाला को लेकर हाई कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर जैसी जीत की उम्मीद थी। वहां फैसला कोर्ट ने सुनाया। उन्होंने कहा है कि न्यायालय ने भोजशाला मामले में साक्ष्यों और एक्सआई की रिपोर्टों को प्राथमिकता दी है। मुगल शासकों ने तलवार के दम पर हमारे प्राचीन धार्मिक स्थलों पर अंधे कब्जा किया था। अब इस प्रकार के फैसले से हिंदुओं में न्याय की उम्मीद जगी है। धार भोजशाला सनातन और सत्य की बड़ी जीत है। यह एक ऐतिहासिक क्षण था।

सभी समाज, वर्ग सत्य को स्वीकार करेंगे

गुफा मंदिर के महंत राम प्रवेश दास महाराज ने कहा कि धार स्थित भोजशाला मामले में आए हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। महाराज ने कहा कि भोजशाला परिसर को देखने पर यह स्पष्ट होता है कि वहां का स्वरूप मंदिर जैसा है। उन्होंने कहा कि देश में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जिन पर समय के साथ अन्य दावे स्थापित हुए हैं और इस दिशा में शोध व अध्ययन जारी है। अब न्यायालय के फैसले ने ऐतिहासिक तथ्यों को स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत लोगों ने लगातार कानूनी लड़ाई लड़ी, जिसके बाद यह फैसला आया है। उन्हें उम्मीद है कि सभी समाज, वर्ग सत्य को स्वीकार करेंगे। जिन मंदिरों को मुगल शासकों के दौरे में नुकसान पहुंचाया गया, उन्हें वापस करके भाईवारे और दोस्ती का संदेश देगा।

करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान: खंडेलवाल

धार स्थित भोजशाला को लेकर मप्र हाईकोर्ट के फैसले के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर मप्र उच्च न्यायालय का निर्णय भारतीय संस्कृति, आस्था और हमारी गौरवशाली विरासत के सम्मान को नई

मजबूती प्रदान करने वाला है। मां वाग्देवी की आराधना स्थली के रूप में भोजशाला की मान्यता एवं इसे संरक्षित स्मारक के रूप में संरक्षण मिलना करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान है। यह निर्णय श्रद्धालुओं के अधिकारों को सशक्त करेगा तथा भोजशाला की गरिमा को और मजबूती देगा। मां वाग्देवी की प्रतिमा को भारत वापस लाने संबंधी निर्देश भी स्वागत योग्य हैं। हम सभी को न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए सामाजिक समरसता, सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाना है।

धार भोजशाला के लिए सनातनियों ने लड़ी लंबी लड़ाई: शर्मा

धार भोजशाला के निर्णय का स्वागत कर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि भारत के सनातन हिंदू धर्म पर लगातार आक्रमण हुए, मुगलों ने मंदिरों पर आक्रमण किए, मंदिर तोड़े गए, वेद पुराण जलाए गए, लाखों हिंदुओं का रक्त बहाया गया लेकिन अपने धर्म के लिए, अपने हिंदुस्तान के लिए, अपनी संस्कृति के लिए

हिंदू फिर भी लड़ता रहा। धार भोजशाला के लिए भी सनातनियों ने लंबी लड़ाई लड़ी है। न्यायालय पर हमारा विश्वास बना रहा कि यहां सत्य जीतेगा और आज इसी सत्य की जीत हुई है। मैं सनातन के लिए लड़ने वाले करोड़ बलिदानों हिंदुओं को नमन करता हूं। यह सनातन की जीत है। हम उम्मीद करते हैं कि मुसलमान भी सत्य को स्वीकार करेंगे और जहां-जहां हिंदुओं के स्मृति चिह्न हैं, जिन-जिन मंदिरों को मुगल लुटेरों ने तोड़ा है, उनको वापस करके हिंदुओं की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे।

मुस्लिम पक्ष करेगा अपील

धार के भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया है, जिसमें इस जगह को मंदिर मानने की बात सामने आई है। ऐसे में इस मामले को लेकर मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाएगा। जिसके तहत अपना पक्ष रखा जाएगा। यहां पर मस्जिद होने के सबूत पेश किए जाएंगे। एएसआई के सर्वे को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही हैं।

अहमद खुर्रम, अध्यक्ष ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी

खबर संक्षेप

बाल आयोग में हुई दो सदस्यों की नियुक्ति

भोपाल। राज्य शासन ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग में दो सदस्यों की नियुक्ति की है। इससे पहले डॉ. निवेदिता शर्मा को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया जा चुका है। आयोग में अब एक अध्यक्ष और दो सदस्यों की पूर्ण समिति कार्यरत होगी। इससे बाल अधिकार संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण से जुड़े कार्यों का संचालन और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। जानकारी के अनुसार, राज्य शासन ने मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग में सोनम निनामा और अधिवक्ता अर्चना गुप्ता को सदस्य नियुक्त किया है।

72 अभ्यर्थियों को जारी किए नियुक्ति-पत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेंटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा कंपनी द्वारा दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 72 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रस्ताव जारी किए गए हैं। इनमें पूर्व में घोषित प्रथम प्रतीक्षा सूची के 29 अभ्यर्थी भी सम्मिलित हैं। सितंबर 2025 से अब तक विभिन्न पदों पर 277 चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति-पत्र जारी कर दिए गए हैं। सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न श्रेणी-2 एवं श्रेणी-3 पदों के लिए कुल 43 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

तंबाकू सेवन के खिलाफ अभियान के लिए 'हेल्थ एबेसडर' बनेंगे स्कूली बच्चे

गुरुग्राम। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एसजीटी विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंडियन मेडिकल सिस्टम द्वारा राजकीय चरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बुढ़ड़ा में तंबाकू जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना था। साथ ही तंबाकू सेवन के खिलाफ सामाजिक अभियान चलाने के लिए बच्चों को 'स्वास्थ्य दूत' बनाने का भी मिशन डेड़ा जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत एसजीटीयू के बीएसएमएस विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रमाणशाली बुककड नटक से हुई, जिसमें तंबाकू सेवन के स्वास्थ्य एवं सामाजिक दुष्प्रभावों को दर्शाते हुए विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके पश्चात फैकल्टी सदस्यों एवं शोधार्थियों द्वारा जागरूकता व्याख्यान आयोजित किए गए। डॉ. आशीष मिश्रा, विभागाध्यक्ष, अगड तंत्र विभाग तथा डॉ. चित्रा, रसायन शास्त्र विभाग ने तंबाकू सेवन, निषेधन धूम्रपान, सधियों के दबाव (पीयर प्रेशर) और तंबाकू मुक्त जीवन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की प्रावधानशैलता का आकलन करने के लिए विद्यार्थियों के बीच पी-टेस्ट एवं पोस्ट-टेस्ट भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्पन्नपूरक स्थलों पर आधारित गतिविधियों में भाग लिया तथा शोधार्थियों के साथ मिलकर तंबाकू विरोधी संदेशों को देहशरया।



हरीद्वार। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (एमओसी) की मुख्य पहल “ज्ञानभारतम मिशन” के अंतर्गत, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार में आयोजित “पांडुलिपियों का निवारण एवं संरक्षण” विषय पर होगा कार्यक्रम

आयोजित की गई। इसी क्रम में, संस्कृति, धरोहर, संरक्षण और उन्हें स्थिर करने की वैज्ञानिक विधियों पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों, विशेषज्ञों तथा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथियों का स्वागत माला और स्मृति चिह्न भेंट करके किया गया। इस पंचदिवसीय श्रृंखला के पांचवें दिवस श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने ‘देश की मूल संस्कृति व मूल प्रकृति’ को समझने का उद्घोष करते हुए कहा कि जीर्ण-क्षीर्ण पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण का उद्देश्य हमारी प्राचीन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को



भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है। उन्होंने रेखांकित किया कि केवल संरक्षण ही नहीं बल्कि प्राचीन पांडुलिपियों के साथ-साथ नए लेखन कार्य को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने आह्वान किया कि 400-500 वर्ष पुरानी पांडुलिपियों को संशोधित एवं पुनर्संरक्षित करके उन्हें नए स्वरूप में प्रस्तुत किया जाए ताकि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर बन सकें। साथ ही, उन्होंने ‘साक्ष्य-आधारित दस्तावेजों’ और प्रमाणों के संरक्षण पर जोर दिया, जिसमें शास्त्रीय ग्रंथों, दस्तावेजों, ‘बाबरनामा’ और ‘आईने अकबरी’ जैसे ऐतिहासिक स्रोतों का

संदर्भ लेकर इतिहास की गहन समझ विकसित करने की बात कही गई। पतंजलि के प्रयासों का उल्लेख करते हुए आचार्यश्री ने ‘साक्ष्य-आधारित इतिहास लेखन’ की दिशा में किए जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने यह भी कहा कि पांडुलिपियाँ केवल पुरातन दस्तावेज नहीं हैं अपितु वे हमारी संपदा, संस्कृति व ज्ञान का अमूल्य भंडार हैं, जिन्हें संरक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने चरक संहिता, सुश्रुत संहिता और धन्वंतरी जैसे प्राचीन ग्रंथों का उल्लेख करते हुए पांडुलिपियों के अध्ययन से इतिहास के छिपे हुए रहस्यों को समझने की बात कही। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को संस्कृति-संरक्षण के मूल आधारों से सहसंबद्ध बताया और संस्कृति मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की। साथ ही, यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा ‘ज्ञानभारतम’ राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण से इन ग्रंथों की पहचान, पुनर्लेखन और डिजिटल संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है।

देश की मूल संस्कृति व मूल प्रकृति को समझो: आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन में पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित

हरीद्वार। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (एमओसी) की मुख्य पहल “ज्ञानभारतम मिशन” के अंतर्गत, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार में आयोजित “पांडुलिपियों का निवारण एवं संरक्षण” विषय पर होगा कार्यक्रम

आयोजित की गई। इसी क्रम में, संस्कृति, धरोहर, संरक्षण और उन्हें स्थिर करने की वैज्ञानिक विधियों पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों, विशेषज्ञों तथा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथियों का स्वागत माला और स्मृति चिह्न भेंट करके किया गया। इस पंचदिवसीय श्रृंखला के पांचवें दिवस श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने ‘देश की मूल संस्कृति व मूल प्रकृति’ को समझने का उद्घोष करते हुए कहा कि जीर्ण-क्षीर्ण पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण का उद्देश्य हमारी प्राचीन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को

संदर्भ लेकर इतिहास की गहन समझ विकसित करने की बात कही गई। पतंजलि के प्रयासों का उल्लेख करते हुए आचार्यश्री ने ‘साक्ष्य-आधारित इतिहास लेखन’ की दिशा में किए जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने यह भी कहा कि पांडुलिपियाँ केवल पुरातन दस्तावेज नहीं हैं अपितु वे हमारी संपदा, संस्कृति व ज्ञान का अमूल्य भंडार हैं, जिन्हें संरक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने चरक संहिता, सुश्रुत संहिता और धन्वंतरी जैसे प्राचीन ग्रंथों का उल्लेख करते हुए पांडुलिपियों के अध्ययन से इतिहास के छिपे हुए रहस्यों को समझने की बात कही। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को संस्कृति-संरक्षण के मूल आधारों से सहसंबद्ध बताया और संस्कृति मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की। साथ ही, यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा ‘ज्ञानभारतम’ राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण से इन ग्रंथों की पहचान, पुनर्लेखन और डिजिटल संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है।

एलन देगा री-नीट देने वाले सभी 23 लाख छात्रों को निःशुल्क अकेडमिक सपोर्ट

कोटा। नीट परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्रालय ने 21 जून को री-नीट परीक्षा करवाने की घोषणा की है। ऐसे री-नीट देने वाले देशभर के सभी 22.80 लाख स्टूडेंट्स के लिए एलन केंद्रिय इंस्टीट्यूट ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। स्टूडेंट फ्रस्ट के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन क्लासेज के साथ-साथ टेस्ट एवं सोल्युशंस सुविधाएं सभी स्टूडेंट्स को डिटेल्ड एनालिसिस भी मिलेगी। इसके साथ ही प्रतिदिन होने वाले पेपर का साथ 5:30 बजे से एलन नीट समय स्टूडेंट्स के लिए मानसिक और शैक्षणिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। स्टूडेंट्स की तैयारी प्रभावित न हो, आत्मविश्वास बना रहे और वे अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें, इसके लिए एलन हर संभव शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। हम हर स्टूडेंट के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि री-नीट में शामिल होने जा रहे स्टूडेंट्स के लिए एलन

एक्सपर्ट्स फैकल्टीज के निशुल्क अकेडमिक सपोर्ट के साथ कई अन्य सुविधाएं आज 15 मई से शुरू की जा रही है। इसके तहत एलन एप (ALLEN App) पर रोजाना सुबह 9 से 12 बजे तक कोच निर्णय लिया है। स्टूडेंट फ्रस्ट के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन क्लासेज के साथ-साथ टेस्ट एवं सोल्युशंस सुविधाएं सभी स्टूडेंट्स को डिटेल्ड एनालिसिस भी मिलेगी। इसके साथ ही प्रतिदिन होने वाले पेपर का साथ 5:30 बजे से एलन नीट समय स्टूडेंट्स के लिए मानसिक और शैक्षणिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। स्टूडेंट्स की तैयारी प्रभावित न हो, आत्मविश्वास बना रहे और वे अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें, इसके लिए एलन हर संभव शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। हम हर स्टूडेंट के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि री-नीट में शामिल होने जा रहे स्टूडेंट्स के लिए एलन

एक्सपर्ट्स फैकल्टीज के निशुल्क अकेडमिक सपोर्ट के साथ कई अन्य सुविधाएं आज 15 मई से शुरू की जा रही है। इसके तहत एलन एप (ALLEN App) पर रोजाना सुबह 9 से 12 बजे तक कोच निर्णय लिया है। स्टूडेंट फ्रस्ट के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन क्लासेज के साथ-साथ टेस्ट एवं सोल्युशंस सुविधाएं सभी स्टूडेंट्स को डिटेल्ड एनालिसिस भी मिलेगी। इसके साथ ही प्रतिदिन होने वाले पेपर का साथ 5:30 बजे से एलन नीट समय स्टूडेंट्स के लिए मानसिक और शैक्षणिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। स्टूडेंट्स की तैयारी प्रभावित न हो, आत्मविश्वास बना रहे और वे अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें, इसके लिए एलन हर संभव शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। हम हर स्टूडेंट के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि री-नीट में शामिल होने जा रहे स्टूडेंट्स के लिए एलन

कोटा। नीट परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्रालय ने 21 जून को री-नीट परीक्षा करवाने की घोषणा की है। ऐसे री-नीट देने वाले देशभर के सभी 22.80 लाख स्टूडेंट्स के लिए एलन केंद्रिय इंस्टीट्यूट ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। स्टूडेंट फ्रस्ट के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन क्लासेज के साथ-साथ टेस्ट एवं सोल्युशंस सुविधाएं सभी स्टूडेंट्स को डिटेल्ड एनालिसिस भी मिलेगी। इसके साथ ही प्रतिदिन होने वाले पेपर का साथ 5:30 बजे से एलन नीट समय स्टूडेंट्स के लिए मानसिक और शैक्षणिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। स्टूडेंट्स की तैयारी प्रभावित न हो, आत्मविश्वास बना रहे और वे अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें, इसके लिए एलन हर संभव शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। हम हर स्टूडेंट के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि री-नीट में शामिल होने जा रहे स्टूडेंट्स के लिए एलन

कोटा। नीट परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्रालय ने 21 जून को री-नीट परीक्षा करवाने की घोषणा की है। ऐसे री-नीट देने वाले देशभर के सभी 22.80 लाख स्टूडेंट्स के लिए एलन केंद्रिय इंस्टीट्यूट ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। स्टूडेंट फ्रस्ट के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन क्लासेज के साथ-साथ टेस्ट एवं सोल्युशंस सुविधाएं सभी स्टूडेंट्स को डिटेल्ड एनालिसिस भी मिलेगी। इसके साथ ही प्रतिदिन होने वाले पेपर का साथ 5:30 बजे से एलन नीट समय स्टूडेंट्स के लिए मानसिक और शैक्षणिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। स्टूडेंट्स की तैयारी प्रभावित न हो, आत्मविश्वास बना रहे और वे अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें, इसके लिए एलन हर संभव शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। हम हर स्टूडेंट के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि री-नीट में शामिल होने जा रहे स्टूडेंट्स के लिए एलन

सीजेआई की टिप्पणी पर बढ़ा विवाद तो सफाई पेश की

एजेसी ► नई दिल्ली

सीजेआई सूर्यकांत की शुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में की गई एक टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद सीजेआई ने इस मुद्दे पर अपनी सफाई दी है। मुख्य न्यायाधीश ने युवाओं के बारे में अपने बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने इसे गलत तरीके से पेश किया था। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कोर्ट में कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा मीडिया, सोशल मीडिया यूजर्स, आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता कॉकरोच की तरह बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला करना शुरू कर देते हैं।

खबर संक्षेप

अकुशल श्रमिकों को अब 13,018 रु. मिलेगा: धामी
देहरादून। उत्तराखंड में श्रमिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। धामी सरकार ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन बढ़ाया है। अकुशल श्रमिकों को अब 13,018 रुपए वेतन मिलेगा। अर्ध-कुशल श्रमिकों को 16,900 रुपए मिलेगा। नई वेतन दरें एक अप्रैल 2026 से लागू होंगी। इसके अलावा ओवरटाइम, बोनस और अन्य लाभ भी प्रदान किए जाएंगे।

आजम को 2 साल कैद और 20 हजार जुर्माना

रामपुर। सपा नेता आजम खां को तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर की कोर्ट ने 2 साल की कैद और 20 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट थाना क्षेत्र में दर्ज था। आरोप था कि प्रचार के दौरान सपा नेता ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

आजमगढ़ में एक्सीडेंट 5 की मौत पर ही मौत

आजमगढ़। 7 ग्री की आजमगढ़ में पूर्वोच्चल एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की सूचना है। थाना कंधारपुर क्षेत्र में पूर्वोच्चल एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 238 के पास ये हादसा हुआ। तेज रफतार वाहनों की टक्कर से ये हादसा हुआ। प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य किया।

विभाग बंटे, सीएम विजय ने रखा गृह व प्रशासन

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम सी. जयशंकर विजय की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में मंत्रियों के विभागों की घोषणा कर दी गई है। विजय ने गृह, पुलिस और महिला एवं बाल कल्याण सहित कुछ सबसे शक्तिशाली विभागों को बरकरार रखा है। केए संतोषीयान को वित्त के साथ पेंशन और भत्ते का प्रभार सौंपा गया है।

कोलकाता में सड़क पर नमाज को लेकर तनाव बढ़ा

सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक गतिविधियां न करें

एजेसी ► कोलकाता

यहां के राजाबाजार इलाके में शुरुवार को उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब कुछ लोगों ने सड़क पर नमाज अदा करने की कोशिश की। हाल ही में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगाई है। स्थिति तब बिगड़ गई जब सड़क खाली कराने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों ने इसका विरोध किया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि यह पुरानी परंपरा है। जबकि प्रशासन का तर्क था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सार्वजनिक रास्तों को खाली रखना जरूरी है।

मेरी टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर मीडिया में पेश किया गया, मुझे देश के युवाओं पर गर्व, देशभर का हर युवा मुझे प्रेरित कर रहा

मैंने फर्जी डिग्री वालों के लिए वे शब्द कहे थे

मैंने युवाओं के लिए वह टिप्पणी नहीं की थी

मुझे यह पढ़कर बहुत दुख हुआ कि मीडिया के एक वर्ग ने कल एक मामले की सुनवाई के दौरान मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। मैंने खास लोगों पर बात की थी

मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से पेश किया



अब इस पर सफाई देते हुए सीजेआई ने कहा कि मुझे यह पढ़कर बहुत दुख हुआ कि मीडिया के एक वर्ग ने कल एक मामले की सुनवाई के दौरान मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी जिन्होंने फर्जी और फर्जी डिग्रियों की मदद से वकालत जैसे पेशे में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित पेशों में भी घुसपैठ कर चुके हैं और इसलिए वे परजीवियों के समान हैं।

युवाओं को विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देख रहा
जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मुझे हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारतीय युवा मेरे प्रति बहुत आदर और सम्मान रखते हैं और मैं भी उन्हें एक विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देखता हूं।

सीनियर एडवोकेट की आक्रामकता पर हमने लगाई थी फटकार

सीजेआई की विवादित टिप्पणी एक याचिका की सुनवाई के दौरान आई थी जो एक वकील को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिए जाने से जुड़ी थी। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता वकील को सीनियर एडवोकेट का दर्जा पाने के लिए आक्रामक तरीके से पैरवी करने पर फटकार लगाई थी। अदालत ने उनके आचरण पर भी सवाल उठाए थे जिसमें फेसबुक पर कथित तौर पर इस्तेमाल की गई भाषा को लेकर भी आपत्ति जताई गई।

पश्चिम बंगाल की सत्ता संभालने के बाद सीएम सुवेंदु के बदले तेवर दंगाइयों से की जाएगी नुकसान की वसूली कोई भी हिंसा व अपराध नहीं होगा बर्दाश्त

एजेसी ► कोलकाता

लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली होगी

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

राजनीतिक हिंसा, अपराधों में तुरंत एफआईआर दर्ज होगी



कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी

मुख्यमंत्री अधिकारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि वह अतीत को भूलें नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम कार्यकर्ताओं पर हुए टीएमसी के अत्याचारों को भूलें नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस को निर्देश दिया है कि पिछली राजनीतिक हिंसा और अपराधों के मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। इसके साथ ही, उन्होंने केंद्रीय योजनाओं के फंड में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच के भी आदेश दिए हैं। केंद्रीय योजनाओं के धन के दुरुपयोग को लेकर पुलिस को शिकायत दर्ज करने को कहा गया है।

ओबीसी सूची कानून के मुताबिक नहीं

मई 2024 में कलकत्ता हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने वर्ष 2010 के बाद बंगाल में जारी सभी ओबीसी प्रमाणपत्रों को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि 2010 के बाद तैयार की गई ओबीसी सूची कानून के मुताबिक नहीं थी। पिछले वर्ष दिसंबर में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने पश्चिम बंगाल की 35 जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची से बाहर कर दिया था।

ममता के 15 साल के राज की होगी जांच, निर्देश जारी

1.69 करोड़ लोगों को दिया गया ओबीसी, एससी-एसटी सर्टिफिकेट, सत्यापन होगा

बंगाल सरकार ने राज्य में पिछले 15 वर्षों के दौरान जारी किए गए सभी पिछड़ा वर्ग प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच कराने का फैसला लिया है। पिछड़ा वर्ग विकास विभाग ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि वे 2011 से 2026 तक जारी एससी, एसटी और ओबीसी प्रमाणपत्रों का पुनः सत्यापन करें।

अवैध प्रमाण पत्र लेने वालों पर होगी कार्रवाई

विभाग ने जिला अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि यदि किसी व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेज देकर अवैध तरीके से ओबीसी या अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाणपत्र हासिल किया है, तो कड़ी कार्रवाई की जाए।

अनियमितताओं की शिकायत के बाद सख्ती

सभी 1.69 करोड़ प्रमाणपत्रों की जांच इसलिए की जा रही है ताकि कोई भी व्यक्ति गलत तरीके से आरक्षण जैसी सुविधाओं का लाभ न उठा सके। पिछली सरकार के दौरान अनियमितता की गई है।

अभिषेक की कंपनी पर भी कसेगा शिकंजा

सुवेंदु ने कहा कि उनके पास अभिषेक बेनर्जी की कंपनी 'लिस एंड बाउंड्स' की संपत्तियों की पूरी सूची आ चुकी है। इसकी संपत्तियों की गहराई से जांच की जाएगी।

टीएमसी में आंतरिक फूट पर बोलीं ममता जिसे जाना हो तो जाए, मैं पार्टी को दोबारा से मजबूत कर लूंगी



एजेसी ► कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी शिकस्त को आखिरकार पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने इस हार को स्वीकार करते हुए अपने कार्यकर्ताओं से दोबारा पार्टी मजबूत करने का आग्रह किया। ममता ने कालीघाट स्थित अपने आवास पर पार्टी बैठक की, जिसमें चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी शामिल हुए। ममता ने बैठक में प्रत्याशियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हाल के हुए विधानसभा चुनाव में हार के बाद उनकी पार्टी फिर मजबूत होगी। टीएमसी छोड़ने वाले स्वतंत्र हैं। जो दूसरी पार्टियों में जा रहे हैं, जाएं।

कालीघाट आवास पर की बैठक

टीएमसी ने कालीघाट आवास पर यह बैठक उन उम्मीदवारों के लिए आयोजित की थी, जो हाल के चुनावों में मैदान में उतरे थे। यह बैठक पार्टी में आंतरिक असंतोष की खबरों और चुनाव परिणामों के बाद संभावित दलबदल की अटकलों के बीच हुई। ममता की ये टिप्पणियां तब आई जब उन्हें परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद ही थीं इस बात पता लगा था कि कुछ नेता पाला बदल सकते हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मुझे पता है कि कई लोग दूसरी पार्टी स्वाइन करने के लिए टीएमसी छोड़ देंगे। उनकी अपनी मजबूरियां हो सकती हैं। इस बारे में मुझे कुछ नहीं कहना है, जो जाना चाहता है जा सकता है।

अभिषेक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

शाह को धमकी और भड़काऊ भाषण देने का आरोप

टीएमसी सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के भतीजे अभिषेक बेनर्जी की मुश्किलें बढ़ती हुईं नजर आ रही हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान कथित भड़काऊ और आपत्तिजनक भाषण देने के मामले में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। डायमंड हार्बर के सांसद के खिलाफ राजीव सरकार नामक एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दायर शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अभिषेक ने चुनाव प्रचार के दौरान कई स्थानों पर भड़काऊ भाषण दिए थे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी दी थी। सामाजिक कार्यकर्ता राजीव सरकार ने 5 मई को चुनाव नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद यह शिकायत दर्ज कराई थी।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा

21 की बैठक पर टिकी सबकी निगाहें, 'बदलाव' की उम्मीद

एजेसी ► नई दिल्ली

बंगाल और असम चुनाव में शानदार जीत के बाद अब केंद्र में एक बड़े फेरबदल की अटकलें हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम की घोषणा के बाद सरकार में भी कड़ा बदलाव संभव है। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के बाद फेरबदल नहीं हुआ है, इसलिए इस बार बड़े बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

बैठक होना

असामान्य बात नहीं

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 21 मई को होने वाली मंत्रिपरिषद की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दे दी है। एक सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि मंत्रिपरिषद की बैठक नियमित अंतरालों पर होती रहती है। देश मध्य पूर्व के संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपट रहा है, बैठक होना कोई असामान्य बात नहीं है।

सिक्किम पहुंचे उपराष्ट्रपति



गंगटोक। यहां सिक्किम राज्य स्थापना दिवस समारोह के लिए पहुंचने पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन (बाएं) का सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर (बीच में) और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यों की केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने की विस्तृत समीक्षा

इंटीग्रेटेड और सस्टेनेबल फार्मिंग को बढ़ावा देकर किसानों की आय भी बढ़ाएंगे और धरती मां को भी बचाएंगे: चौहान

हरिभूमि ब्यूरो ► नई दिल्ली

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमेटी (ईएफसी) से संबंधित एक उच्च स्तरीय बैठक केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शनिवार को 12, सफदरजंग रोड स्थित उनके कैप कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक के दौरान चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर आईसीएआर के महानिदेशक तथा डेप्युटी सचिव डॉ. एमएल

जाट ने केंद्रीय कृषि मंत्री को देशभर में आईसीएआर के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने भविष्य की कार्ययोजना से भी चौहान को अवगत कराया तथा बताया कि भारतीय कृषि एवं किसान बहनों-भाइयों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए परिषद किस प्रकार कार्य कर रही है। बैठक में चौहान ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कृषि देश की बड़ी आबादी की जीविका का प्रमुख साधन है और भारतीय अर्थव्यवस्था को एक मजबूत आधार प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि हमारी सम्पूर्ण कोशिश और ऊर्जा इस दिशा में केंद्रित होनी

चाहिए कि भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक, कम लागत वाली तथा लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सके। चौहान ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष बल देते हुए कहा कि किसान बहन-भाइयों को इसे व्यावहारिक रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा सतत कृषि (सस्टेनेबल फार्मिंग) को मजबूती मिलेगी। वैज्ञानिक कृषि आज समय की आवश्यकता है। भारत सहित विश्वभर में जलवायु परिवर्तन की समस्या अब प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने लगी है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अधिकारियों को

निर्देश दिया कि राज्यों की कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप राज्यवार कृषि रोडमैप तैयार करने की दिशा में राज्यों की सहमति से तेजी से कार्य किया जाए। अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम एवं राजस्थान जैसे राज्यों के अनुरोध पर इस दिशा में कार्य प्रगति पर है तथा शीघ्र ही इन राज्यों का स्वतंत्र कृषि रोडमैप तैयार किया जाएगा। आईसीएआर की कार्ययोजना पर संतोष प्रकट करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री ने और अधिक ऊर्जा और उत्साह से अधिकारियों को कार्य करने के निर्देश दिए जिससे समयपूर्व लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

बिना काम किए हर महीने आएगी नियमित इनकम

एसआईपी के अलावा और भी हैं निवेश के बेहतर तरीके

बिना बिजनेस किए भी बन सकती है पैसिव इनकम

कम जोखिम में स्थिर आय चाहते हैं तो ये विकल्प खास

एफडी, बॉन्ड्स व आरईआईटीएस से हर माह हो सकती है कमाई

बाजार जोखिम के बावजूद निवेशकों में बढ़ा डिविडेड स्टॉक्स का क्रेज

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क



म्यूचुअल फंड एसडब्ल्यूपी

एसडब्ल्यूपी यानी सिरटेमैटिक विदड्रॉल प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतरीन विकल्प माना जाता है, जो अपने निवेश से हर महीने निश्चित रकम निकालना चाहते हैं। इसमें निवेशक पहले किसी म्यूचुअल फंड में एकमुश्त राशि निवेश करता है और फिर हर महीने तय रकम निकाल सकता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाकी बचा पैसा फंड में निवेशित रहता है और उस पर रिटर्न मिलता रहता है। हालांकि, इसमें बाजार जोखिम जुड़ा होता है, इसलिए निवेश से पहले फंड का प्रदर्शन और जोखिम स्तर समझना जरूरी है।

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम

जो लोग जोखिम से बचना चाहते हैं, उनके लिए पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम काफी मरोसेमंद विकल्प है। यह केंद्र सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें जमा राशि सुरक्षित मानी जाती है। इस योजना में निवेश करने पर हर महीने निश्चित ब्याज

सीधे खाते में जमा होता है। ग्रामीण और छोटे शहरों में आज भी बड़ी संख्या में लोग इसे सुरक्षित आय का साधन मानते हैं। इसमें एक निश्चित अवधि के लिए निवेश किया जाता है और ब्याज दर सरकार समय-समय पर तय करती है। यह योजना उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद है जो स्थिर और गारंटीड आय चाहते हैं।

डिविडेड स्टॉक्स

शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों के बीच डिविडेड स्टॉक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। डिविडेड स्टॉक्स वे कंपनियां होती हैं जो अपने मुनाफे का एक हिस्सा नियमित रूप से शेयरधारकों को देती हैं। आमतौर पर मजबूत और स्थिर कंपनियां नियमित डिविडेड देती हैं। ऐसे में निवेशकों को बेहतर फायदा मिलता है एक तरफ शेयर की कीमत बढ़ने की संभावना रहती है और दूसरी ओर नियमित डिविडेड आय भी प्राप्त होती है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहता है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प माने जाते हैं जो बैंक एफडी से अधिक रिटर्न चाहते हैं। इसमें निवेशक किसी निजी कंपनी को निश्चित समय के लिए पैसा उधार देता है और बदले में कंपनी तय ब्याज का भुगतान करती है। अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों के बॉन्ड अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते हैं और इनमें बैंक एफडी की तुलना में अधिक ब्याज मिल सकता है। कई कंपनियां मासिक, तिमाही या वार्षिक आधार पर ब्याज भुगतान करती हैं।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम खासतौर पर बुजुर्गों के लिए तैयार की गई सुरक्षित निवेश योजना है। इसमें निवेश पर तिमाही आधार पर ब्याज मिलता है और ब्याज दर सामान्य बचत योजनाओं की तुलना में अधिक होती है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें सरकार की गारंटी रहती है, जिससे निवेश पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। साथ ही आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स

आरईआईटीएस यानी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो बिना प्रॉपर्टी खरीदे रियल एस्टेट से कमाई करना चाहते हैं। इसमें निवेशक बड़े मॉल, ऑफिस स्पेस, कॉमर्शियल बिल्डिंग और अन्य प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स में अप्रत्यक्ष रूप से निवेश करते हैं। इन प्रॉपर्टी से मिलने वाला किराया निवेशकों के बीच बांटा जाता है। इसका फायदा यह है कि कम राशि में भी रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश संभव हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आरईआईटीएस लंबी अवधि में स्थिर आय और पूंजी वृद्धि दोनों का अवसर प्रदान करते हैं।

मासिक ब्याज एफडी

मासिक ब्याज एफडी उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो अपनी जमा पूंजी पर हर महीने निश्चित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक बैंक या एनबीएफसी में फिक्स्ड डिपॉजिट कराते हैं और 'मंथली पेआउट' विकल्प चुनते हैं। इससे हर महीने ब्याज सीधे खाते में आता रहता है, जिसे पेंशन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। वर्तमान समय में कई बैंक और वित्तीय संस्थान आकर्षक ब्याज दर दे रहे हैं। यह विकल्प कम जोखिम वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त माना जाता है। हालांकि, ब्याज दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं, इसलिए निवेश से पहले विभिन्न बैंकों की दरों की तुलना करना जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी निवेश विकल्प को चुनने से पहले अपनी आय, खर्च, जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्य को समझना जरूरी है।

एसआईपी की भीड़ में छुपा निवेश का सबसे ‘स्मार्ट प्लान’ एफएमपी

सुझाव

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेश की बात हो और एसआईपी का नाम न आए, ऐसा कम ही होता है। हर दूसरा निवेशक एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की बात करता है। लेकिन निवेश की दुनिया केवल शेयर बाजार और इक्विटी फंड्स तक सीमित नहीं है। ऐसे निवेशकों के लिए भी कई विकल्प मौजूद हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर और अनुमानित रिटर्न चाहते हैं। इन्हीं विकल्पों में एक नाम है एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान?। यह उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है जो बैंक एफडी जैसी सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन उससे थोड़ा ज्यादा रिटर्न और टैक्स में राहत भी पाना चाहते हैं। यही वजह है कि इसे “म्यूचुअल फंड वाली एफडी ” भी कहा जाता है।

क्या होता है एफएमपी ?

एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान एक क्लोज-एंडेड डेट म्यूचुअल फंड होता है। “क्लोज-एंडेड” का मतलब यह है कि इसमें निवेश केवल एक तय समय तक ही किया जा सकता है। जब स्कीम लॉन्च होती है, तभी निवेशक इसमें पैसा लगाते हैं। उसके बाद स्कीम बंद हो जाती है और नए निवेश की अनुमति नहीं रहती। इसकी सबसे खास बात यह है कि इसकी मैच्योरिटी पहले से तय होती है। यानी फंड हाउस पहले ही बता देता है कि यह योजना 1 साल, 3 साल या 5 साल की होगी। निवेशकों को उसी अवधि तक पैसा निवेशित रखना पड़ता है।

कहां निवेश होता है पैसा ?

एफएमपी एक डेट फंड है। इसका मतलब है कि इसमें निवेशकों का पैसा शेयर बाजार में नहीं लगाया जाता, बल्कि सरकारी बॉन्ड्स, कॉरपोरेट



बॉन्ड्स, डिबेंचर्स और अन्य फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रुमेंट्स में निवेश किया जाता है। इन साधनों से निश्चित ब्याज मिलता है, इसलिए इसमें जोखिम इक्विटी फंड्स के मुकाबले काफी कम माना जाता है। यही कारण है कि बाजार में भारी गिरावट आने पर भी एफएमपी निवेशकों पर ज्यादा असर नहीं पड़ता।

कैसे काम करता है एफएमपी

एफएमपी का काम करने का तरीका काफी सरल है। मान लीजिए किसी स्कीम की अवधि 3 साल है, तो फंड मैनेजर उन्हीं बॉन्ड्स में निवेश करेगा जिनकी मैच्योरिटी भी लगभग 3 साल बाद हो। इससे फायदा यह होता है कि ब्याज दरों में बीच-बीच में आने वाले उतार-चढ़ाव का असर सीमित हो जाता है। निवेशकों को पहले से अंदाजा रहता है कि मैच्योरिटी पर लगभग कितना रिटर्न मिल सकता है।

एफडी से कैसे अलग

अक्सर लोग एफएमपी की तुलना बैंक एफडी से करते हैं। दोनों में ही पैसा एक तय अवधि के लिए निवेश होता है और रिटर्न भी अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। लेकिन एफएमपी की सबसे बड़ी ताकत टैक्स बचत मानी जाती है। बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर निवेशकों को अपनी टैक्स स्लेब के हिसाब से टैक्स देना पड़ता है। वहीं एफएमपी में लंबी अवधि के निवेश पर इंडेक्सेशन का लाभ मिल सकता है, जिससे टैक्स देनादारी कम हो जाती है। इंडेक्सेशन महंगाई को एडजस्ट करके निवेश की लागत बढ़ा देता है, जिससे टैक्स योग्य लाभ कम दिखता है। इसका फायदा यह होता है कि निवेशक के हाथ में एफडी के मुकाबले ज्यादा नेट रिटर्न बच सकता है।

बाजार की उथल-पुथल में राहत

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। बाजार तेजी में हो तो मुनाफा अच्छा मिलता है, लेकिन गिरावट आने पर नुकसान भी हो सकता है। इसके विपरीत, एफएमपी में निवेश बॉन्ड्स और फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रुमेंट्स में होता है। इसलिए शेयर बाजार में भारी गिरावट आने पर भी इसमें उतार-चढ़ाव सीमित रहता है।

एफएमपी के जोखिम भी समझना जरूरी

एफएमपी को अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इसमें भी कुछ जोखिम मौजूद रहते हैं। सबसे बड़ा जोखिम इसकी कम लिक्विडिटी है। अगर निवेशक को बीच में पैसों की जरूरत पड़ जाए, तो वह एफडी की तरह आसानी से पैसा नहीं निकाल सकता। इसलिए इसमें वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी जरूरत मैच्योरिटी से पहले न हो। दूसरा जोखिम क्रेडिट रिस्क का होता है। अगर जिस कंपनी के बॉन्ड में निवेश किया गया है, वह कंपनी भुगतान करने में असफल हो जाए, तो नुकसान हो सकता है।

क्या चुनें?

अगर कोई निवेशक हर महीने छोटी रकम निवेश करना चाहता है और लंबे समय तक जोखिम लेने को तैयार है, तो एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन जिन लोगों के पास एकमुश्त राशि है जैसे बोनस, रिटायरमेंट फंड या बचत और वे उसे 1 से 3 साल के लिए सुरक्षित रखना चाहते हैं, उनके लिए एफएमपी बेहतर साबित हो सकता है।

समझदारी से लें फैसला

निवेश का सही विकल्प हमेशा व्यक्ति की जरूरत, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। एफएमपी उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो स्थिरता, अनुमानित रिटर्न और टैक्स में राहत चाहते हैं।एसआईपी और इक्विटी फंड्स जहां लंबी अवधि में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, वहीं एफएमपी पोर्टफोलियो में संतुलन और सुरक्षा देने का काम करता है। इसलिए निवेश करते समय केवल भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय जरूरतों के हिसाब से फैसला लेना ज्यादा जरूरी है।



अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने वाले विकल्पों में करें निवेश

पीएम मोदी की अपील के बाद बदल रही निवेश की सोच

बचत मंत्रा

बिजनेस डेस्क

भारत में सोने को हमेशा सुरक्षित निवेश और सामाजिक प्रतिक्रिया का प्रतीक माना गया है। शादी-ब्याह से लेकर बचत तक, हर घर में सोना एक अहम हिस्सा रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मंत्रों से यह अपील की है कि लोग भौतिक सोने की खरीद कम करें और ऐसे निवेश विकल्प अपनाएं जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि अगर निवेशक सोने में पैसा फंसाने के बजाय भारतीय कंपनियों, सरकारी योजनाओं और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो इससे न केवल उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। ऐसे में अगर निवेशक वैकल्पिक साधनों की ओर बढ़ते हैं, तो इससे विदेशी मुद्रा बढ़ाने और घरेलू निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड: छोटी रकम से बड़ी भागीदारी

आज के समय में इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश का सबसे लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। इसमें निवेशकों का पैसा भारतीय कंपनियों के शेयरों में लगाया जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक केवल 500 महीने की एसआईपी से भी शुरुआत कर सकते हैं। लंबे समय में इक्विटी फंड महंगाई को मात देने और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब लोग इक्विटी फंड में निवेश करते हैं, तो उनका पैसा सीधे भारतीय उद्योगों और कारोबार को मजबूत करने में लगता है।

एसजीपी : सोने जैसा मरोसा, बिना स्टोरेज की चिंता

जो लोग सोने में निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए ऑनरेन गोल्ड बॉन्ड यानी एसजीपी बेहतर विकल्प माना जाता है। यह भारत सरकार द्वारा जारी किया जाता है और इसमें निवेशकों को सोने की कीमत बढ़ने का फायदा भी मिलता है। सबसे खास बात यह है कि इसमें भौतिक सोना खरीदने जैसी चोरी, छुट्टा और स्टोरेज की चिंता नहीं रहती। इसके अलावा निवेशक को तय ब्याज भी मिलता है। व

रियल एस्टेट: लंबी अवधि का मजबूत विकल्प

रियल एस्टेट हमेशा से भारतीय निवेशकों की पसंद रहा है। खासतौर पर ऐसे क्षेत्रों में जहां सड़क, मेट्रो, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर या नई इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं विकसित हो रही हों, वहां जमीन और संपत्ति के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। हालांकि रियल एस्टेट में निवेश के लिए बड़ी पूंजी की जरूरत होती है, लेकिन लंबी अवधि में यह अच्छा रिटर्न और संपत्ति निर्माण का माध्यम बन सकता है।

पीपीएफ और एनएससी : सुरक्षित निवेश का विकल्प

जो निवेशक जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए सरकार समर्थित बचत योजनाएं बेहतर विकल्प मानी जाती हैं।पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) जैसी योजनाएं सुरक्षित और स्थिर रिटर्न देती हैं। पीपीएफ में लंबी अवधि का टैक्स-फ्री रिटर्न मिलता है, जबकि एनएससी निश्चित ब्याज के साथ सुरक्षित निवेश का विकल्प देता है।

कॉरपोरेट एफडी : बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न

कई निवेशक बैंक एफडीसे बेहतर रिटर्न के लिए एफएमपी फिक्स्ड डिपॉजिट यानी कॉरपोरेट एफडी की ओर भी रुख कर रहे हैं। कॉरपोरेट एफडी में ब्याज दरें सामान्य बैंक एफडी से अधिक हो सकती हैं।

गोल्ड ईटीएफ और ईजीआर भी बन रहे विकल्प

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोई निवेशक सोने में निवेश करना ही चाहता है, तो फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय गोल्ड ईटीएफ या इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसिट (ईजीआर) जैसे विकल्प बेहतर हो सकते हैं।इससे गोल्ड इम्पोर्ट पर दबाव कम करने में मदद मिलती है।

संतुलित पोर्टफोलियो जरूरी

वित्तीय विशेषज्ञ हमेशा संतुलित निवेश रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं। फिजिकल एक ही साधन में पैसा लगाने के बजाय निवेश को इक्विटी, गोल्ड, डेट और सुरक्षित योजनाओं के बीच बांटना बेहतर माना जाता है। इससे जोखिम कम होता है और अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में पोर्टफोलियो स्थिर बना रहता है।

सावधानी

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ज्यादातर लोगों के सामने एक सवाल जरूर आता है—डायरेक्ट फंड चुनें या रेगुलर फंड पहली नजर में दोनों लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं। एक ही फंड मैनेजर, एक जैसी निवेश रणनीति और एक जैसा पोर्टफोलियो। लेकिन इन दोनों के बीच का छोटा-सा फर्क लंबे समय में आपकी कमाई पर बड़ा असर डाल सकता है। निवेश शुरू करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर डायरेक्ट और रेगुलर फंड में अंतर क्या है और आपके लिए कौन-सा विकल्प ज्यादा बेहतर हो सकता है।

क्या होता है डायरेक्ट और रेगुलर फंड?

डायरेक्ट फंड वह होता है जिसमें निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के जरिए निवेश करता है। इसमें कोई एजेंट, डिस्ट्रीब्यूटर या बिचौलिया शामिल नहीं होता। वहीं रेगुलर फंड में निवेश किसी एडवाइजर, बैंक, एजेंट या डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से किया जाता है। इसके बदले फंड हाउस उन्हें कमीशन देता है, जिसकी लागत निवेशक से वसूली जाती है। यही वजह है कि दोनों फंड्स के रिटर्न में अंतर देखने को मिलता है।

डायरेक्ट फंड्स चुनें या रेगुलर?

म्यूचुअल फंड में सही तरीके से ही लें निवेश का फैसला



एक्सपेंस रेशियो का खेल समझिए

डायरेक्ट फंड का सबसे बड़ा फायदा इसका कम एक्सपेंस रेशियो होता है। क्योंकि इसमें किसी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन नहीं दिया जाता, इसलिए निवेशक की लागत कम रहती है। दूसरी तरफ रेगुलर फंड में कमीशन जुड़ने से एक्सपेंस रेशियो थोड़ा ज्यादा हो जाता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन लंबे समय में यह आपकी कुल कमाई पर बड़ा असर डालता है। उदाहरण के तौर पर, अगर दो फंड एक जैसा रिटर्न दे रहे हों और उनमें केवल 1% लागत का फर्क हो, तो 10-15 साल में यह अंतर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा क्यों दिखता है? डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा होने का कारण दो चीजें अलग निवेश रणनीति नहीं है। असल वजह यह है कि इसमें फीस कम करती है। कम लागत का सीधा फायदा निवेशक को मिलता है और लंबी अवधि में कंपाउंडिंग के जरिए यह अंतर और बढ़ जाता है। यही कारण है कि जो निवेशक खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार को समझते हैं, वे अक्सर डायरेक्ट फंड को प्राथमिकता देते हैं।

फिर लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?

अगर डायरेक्ट फंड सस्ते और ज्यादा रिटर्न देने वाले हैं, तो सवाल उठता है कि लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं? असल में रेगुलर फंड केवल निवेश नहीं, बल्कि गाइडेंस भी देते हैं। एक अच्छा वित्तीय सलाहकार निवेशक की आय, लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के हिसाब से सही फंड चुनने में मदद करता है। इसके अलावा बाजार में गिरावट आने पर कई निवेशक घबरा जाते हैं और गलत समय पर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में एडवाइजर निवेशक को शांत रखने और सही रणनीति पर टिके रहने में मदद करता है। यानी रेगुलर फंड की अतिरिक्त लागत केवल कमीशन नहीं, बल्कि सलाह और सपोर्ट की फीस भी होती है।

सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ करें निवेश

एसआईपी के बेस्ट टिप्स, लंबे समय में बना देंगे बड़ा फंड

- समय पर शुरू की गई एसआईपी देती है बड़ा फायदा
- लंबी अवधि का निवेश ही दिलाता है असली रिटर्न

अनुशासन जरूरी

कई लोग बाजार गिरने पर घबराकर अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं, जबकि यही सबसे बड़ी गलती होती है। एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लगातार निवेश करता रहे। बाजार में गिरावट आने पर कम कीमत पर ज्यादा यूनिट्स खरीदने का मौका मिलता है। इसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग (आरसीए)कहा जाता है। लंबे समय में यही रणनीति औसत लागत को कम करती है और बेहतर रिटर्न देने में मदद करती है। इसलिए बाजार की हलचल देखकर निवेश रोकने के बजाय अनुशासन बनाए रखना जरूरी है।

लंबी अवधि का नजरिया रखें

एसआईपी उन लोगों के लिए नहीं है जो एक-दो साल में पैसा दोगुना करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड में असली संपत्ति लंबे समय में बनती है। विशेषज्ञ कम से कम 5 से 10 साल का नजरिया रखने की सलाह देते हैं।

लक्ष्य तय करके करें निवेश

बिना लक्ष्य के निवेश करना अक्सर भ्रम पैदा करता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किसी उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। जैसे घर खरीदना, बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, रिटायरमेंट या इमरजेंसी फंड। जब निवेश किसी खास लक्ष्य से जुड़ा होता है तो बाजार की गिरावट में भी निवेशक भावनात्मक रूप से मजबूत बना रहता है।

जोखिम क्षमता को समझें

हर निवेशक की आर्थिक स्थिति और जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है।

इसलिए दूसरों को देखकर निवेश करना नुकसानदायक हो सकता है। यदि कोई निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहता तो उसे लार्ज कैप या इंडेक्स फंड से शुरुआत करनी चाहिए। वहीं, लंबे समय तक निवेश करने वाले और ज्यादा जोखिम लेने वाले निवेशक मिड कैप या स्मॉल कैप फंड का विकल्प चुन सकते हैं। सही फंड का चयन, उम्र, आय और वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

ज्यादा रिटर्न देख फंड न चुनें

कई लोग पिछले एक साल का शानदार रिटर्न देखकर किसी फंड में निवेश कर देते हैं, जबकि यह तरीका सही नहीं माना जाता। फंड चुनते समय उसके पिछले 5 से 10 साल के प्रदर्शन को देखना जरूरी है। यह भी देखना चाहिए कि बाजार गिरने पर फंड का प्रदर्शन कैसा रहा, फंड मैनेजर का अनुभव कितना है और फंड लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है या नहीं। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए। इसे स्टेपअप एसआईपी कहा जाता है। यदि कोई व्यक्ति हर साल अपनी एसआईपी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है तो लंबे समय में उसका फंड कई गुना तेजी से बढ़ सकता है। उदाहरण के तौर पर 5 हजार रुपये मासिक एसआईपी शुरू करने वाला

निवेशक यदि हर साल इसमें थोड़ी वृद्धि करता रहे, तो मलियम में करोड़ों रुपये का कॉम्पौं तैयार करना आसान हो सकता है।

बाजार की गिरावट को समझें

जब बाजार में भारी गिरावट आती है तो अधिकतर निवेशक डर जाते हैं, लेकिन अनुभवी निवेशक इसे अवसर मानते हैं। गिरावट के दौरान कम कीमत पर खरीदी गई यूनिट्स मलियम में ज्यादा रिटर्न देने की संभावना रखती हैं। इसीलिए बाजार में उतार-चढ़ाव को लेकर घबरावने के बजाय निवेशकों को अपनी रणनीति पर टिके रहना चाहिए। एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश जारी रखता है।

धैर्य ही सबसे बड़ी पूंजी

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि धैर्य से भी मिलती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। जो निवेशक हर गिरावट में घबराकर फेंसले बदलता है, उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, जो निवेशक लंबे समय तक अपनी रणनीति पर कायम रहता है, वहीं अंत में बड़ा लाभ कमाने में सफल होता है। एसआईपी में धैर्य रखने वाले निवेशकों की ही कंपाउंडिंग का असली फायदा मिलता है।

कबड्डी में चोट से बचाव का मंत्र : सही तकनीक व रिकवरी सबसे बड़ी ढाल

- छोटी लापरवाही भी ख़त्म कर सकती है खिलाड़ी का करियर
- घुटने, कंधे और सिर की चोटें खिलाड़ियों में सबसे आम
- बिना फिटनेस मैदान में वापसी से दोबारा चोट का खतरा कई गुना
- फिजियोथेरेपी, संतुलित डाइट और वैज्ञानिक ट्रेनिंग को बताया सफलता की कुंजी
- ग्रामीण टूर्नामेंटों में मेडिकल सुविधाओं की कमी बन रही बड़ा खतरा

रोहित डागर ►►रोहतक

देश का पारंपरिक खेल कबड्डी आज अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है, लेकिन इसकी तेज रफ्तार और शारीरिक टकराव खिलाड़ियों के लिए गंभीर चोटों का खतरा बढ़ा रहे हैं। घुटने, कंधे, टखने और सिर की चोटें खिलाड़ियों के करियर के लिए बड़ी चुनौती हैं। खेल विशेषज्ञों और चिकित्सकों का मानना है कि सही तकनीक, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और उचित रिकवरी प्रोटोकॉल अपनाकर इन जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

हेल्थ विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि दर्द निवारक दवाइयों के सहारे खेलना खतरनाक हो सकता है, जबकि बिना पूरी फिटनेस के मैदान में वापसी दोबारा चोट की आशंका बढ़ा देती है। यदि खिलाड़ी सही तकनीक और रिकवरी प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते, तो एक छोटी सी चोट उनके पूरे करियर को खत्म कर सकती है।



दर्द निवारक गोलियां खाकर न खेलें

यह खेल हाई-कॉन्टैक्ट श्रेणी में आता है, इसलिए यहां जोखिम भी अधिक है। गलत तरीके से गिरने या टैकल होने पर मस्तिष्काघात, सिर की चोट या रीढ़ की हड्डी में चोट लग सकती है, जिससे लकवा होने का खतरा रहता है। ऐसे में खिलाड़ी को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए। खिलाड़ी अक्सर दर्द निवारक गोलियां खाकर खेलते हैं, जो जानलेवा हो सकता है।

कबड्डी में आम चोटें

- घुटने के लिगामेंट टूटना
- कंधा व कोहनी उतरना
- टखने की मोच और सिर में चोट।

यह बरतें सावधानी

- चोटिल हिस्से को सहारा दें और सुरक्षित रखें।
- आराम बेहद जरूरी है।
- डॉक्टर की सलाह पर चोटिल हिस्से पर धीरे-धीरे और हल्का मार डालें। रिकवरी जल्दी होगी।
- सूजन और दर्द कम करने के लिए प्रभावित जगह पर कपड़े में लपेटकर बर्फ लगाएं।
- सूजन को नियंत्रित करने के लिए चोट वाली जगह पर हल्की दबाव वाली पट्टी बांधें।
- चोटिल हिस्से को हृदय के स्तर से ऊपर उठा कर रखें।



तकनीक गलत तो करियर ख़त्म

कोच की देख-रेख के बिना अभ्यास करना जोखिम भरा है। यदि खेल मिट्टी पर है, तो मिट्टी नरम होनी चाहिए। यदि मैट पर है, तो ध्यान दें कि मैट पुराना या फटा हुआ न हो, अन्यथा लिगामेंट टूटने का डर रहता है। एक कुशल कोच समझता है कि खिलाड़ी का पैर किस कोण पर पड़ना चाहिए। बिना कोच के प्रैक्टिस मैच खेलने से बचें। खेल के दौरान केवल पानी नहीं, बल्कि इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें ताकि शरीर में ऐंठन न आए।

-प्रवीण, कबड्डी कोच



डाइट और अनुशासन ही रिकवरी की कुंजी

चोट से लड़ना केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक और खान-पान का भी खेल है। अभी घुटने की चोट से उबरा हूँ। इससे पहले भी चोट लगी है। मुझे खुद एंटीबायोटिक और एमसीएल की इंजरी हुई थी। मैंने रोहतक में लंबे समय तक फिजियोथेरेपी करवाई। चोट से उबरने के लिए कम से कम 2-3 महीने का धैर्य जरूरी है। मैंने चार बार जूनियर नेशनल मेडल जीता है और खेलों इंडिया गेम्स में भी दो स्वर्ण पदक जीते हैं। मांसपेशियों की मरम्मत के लिए पनीर, उबला हुआ चिकन और ड्राई फ्रूट्स सबसे अच्छे स्रोत हैं। रिकवरी के दौरान मौठा पूरी तरह छोड़ देना चाहिए, क्योंकि यह शरीर में सूजन बढ़ाता है।

-अंकित राणा, खिलाड़ी



फिजियोथेरेपी और सही एक्सरसाइज असली सुरक्षा

कबड्डी में चोट लगने का मुख्य कारण अवांनक दिशा बदलना और शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ना है। खिलाड़ी की फिटनेस और रिकवरी पर ध्यान दें। घुटने और कंधे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं, क्योंकि रेडर और डिफेंडर दोनों ही इन जोड़ों पर बहुत अधिक भार डालते हैं। चोट के बाद मैदान में जल्दी वापसी करना दोबारा चोट लगने के खतरे को 200% बढ़ा देता है। पूरी फिटनेस के बिना वापसी न करें। मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए रोडना स्ट्रेचिंग, स्क्वाट्स, कोर एक्सरसाइज और बैलेस ट्रेनिंग करना चाहिए।

-डॉ. हेमलता, स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट, पीजीआईएमएस रोहतक

आईपीएल पाइंट टेबल					
टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	
बेंगलुरु	12	8	4	16	
गुजरात	13	8	5	16	
हैदराबाद	12	7	5	14	
पंजाब	12	6	5	13	
राजस्थान	11	6	5	12	
चेन्नई	12	6	6	12	
कोलकाता	12	5	6	11	
दिल्ली	12	5	7	10	
मुंबई	12	4	8	8	
लखनऊ	12	4	8	8	

अंरिज कैप

पर्पल कैप

साई सुदर्शन

मुननेश्वर कुमार

554 रन

22 विकेट

गुजरात

बेंगलुरु

खबर संक्षेप

अवनि का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर, किया कट हासिल हेम्बरग। भारतीय गोल्फर अवनि प्रशान्त ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में चार अंडर 69 का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया, जिससे वह जर्मन मास्टर्स टूर्नामेंट के कट में अग्रव बनाने में सफल रही। पहले दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली अवनि का कुल स्कोर अब एक ओवर हो गया है और वह संयुक्त 47वें स्थान पर है। कट दो ओवर पर गया। इस तरह से अवनि कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही। इस टूर्नामेंट में भाग ले रही भारत की दो अन्य खिलाड़ी प्रणवी अरवि वाणी का कपूर कट में जगह नहीं बना पाई। प्रणवी ने दूसरे दौर में एक ओवर पार का स्कोर बनाया और कुल मिलाकर चार ओवर के साथ संयुक्त 72वें स्थान पर रही। वाणी पहले दौर के बाद ही टूर्नामेंट से हट गई थी।

सिनसिनाटी में कट हासिल करने से चुकी अदिति सिनसिनाटी। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद क्रोएर क्वीन सिटी चैंपियनशिप में कट हासिल करने से चूक गई। पहले दिन के उन्होंने दो ओवर कर स्कोर किया था, जिससे उनका कुल स्कोर तीन ओवर का रहा जबकि कट दो ओवर पार पर तय किया गया था। अमांडा डोहर्टी और जिन यंग ने दूसरे दौर की समाप्ति तक संयुक्त बढ़त कायम कर ली थी।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

एजेसी ►►कोलकाता

गुजरात 5 जीत के बाद हारी

कोलकाता 29 रन से जीती

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने शुरूआत में मिले दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 35 गेंद में 93 रन की विस्फोटकीय पारी खेली जिसकी बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में गुजरात टाइटन्स के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए 29 रन से जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीद जीवंत रखा। इस हार से गुजरात टाइटन्स का लगातार पांच मैचों में जीत का सिलसिला भी टूट गया जो 16 अंक से तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है। एलन के गेंदबाजों की धुलाई करने के बाद अंगकूप रघुवंशी (नाबाद 82 रन) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 52 रन) के नाबाद अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए महज 53 गेंदों में 108 रन की शतकीय साझेदारी से टीम 'करो या मरो' के मुकाबले में दो विकेट पर 247 रन के विशाल स्कोर तक पहुंची। यह इस सत्र में उसका सबसे बड़ा स्कोर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटन्स फार्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (नाबाद 53 रन) के 23 रन पर रिटायर्ड हर्ट होने के बाद कप्तान शुभमन गिल (49 गेंदों में 85 रन) और जोस बटलर (35 गेंदों में 57 रन) के बीच 73 गेंदों में 128 रन की साझेदारी के बावजूद चार विकेट पर 218 रन ही बना सकी।



कोलकाता-247/2 (20)	
खिलाड़ी	रन
अजितय राहणे बो सिराज	14
फिन एलन का राशिद बो किशोर	93
अंगकूप रघुवंशी नाबाद	82
कैमरन ग्रीन नाबाद	52
अतिरिक्त :	06
कुल योग :	20 ओवर में दो विकेट पर 247
विकेट पतन :	1-44, 2-139
गेंदबाजी :	सिराज 4-0-50-1, रबाडा 4-0-40-0, होल्डर 4-0-39-0, राशिद 4-0-57-0, साई किशोर 3-0-38-1, अरशद 1-0-22-0
गुजरात-218/4 (20)	
खिलाड़ी	रन
साई सुदर्शन नाबाद	53
शुभमन गिल का रॉय बो नारायण	85
निशांत सिंह का पांडे बो नारायण	01
जोस बटलर का सब बो दूबे	57
राहुल का रघुवंशी बो ग्रीन	02
अतिरिक्त :	20
कुल योग :	20 ओवर में चार विकेट पर 218 रन
विकेट पतन :	0-42 (रिटायर्ड हर्ट), 1-49, 2-177, 3-207, 4-218
गेंदबाजी :	सौरभ दूबे 2-4-0-23-1, ग्रीन 3-0-25-1, त्यागी 4-0-59-0, पाश्चिमा 1-2-0-9-0, नारायण 4-0-29-2, चक्रवर्ती 4-0-47-0, अनुकूल रॉय 1-0-17-0

महिला क्रिकेट टीम पहुंची उज्जैन, लिया महाकाल का आशीर्वाद ✦ स्क्वाश चैंपियनशिप: सेंथिलकुमार और जोशना ने जीता युगल का खिताब

उज्जैन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया और सभी खिलाड़ी भस्म आरती में भी शामिल हुईं। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार संग आशीर्वाद लेने पहुंचीं। सभी खिलाड़ियों ने पूजा-अर्चना करते हुए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने की मनोकामना मंगी।



चेन्नई। वेलवर्न सेंथिलकुमार और जोशना चिन्पाया की शीर्ष करीयता प्राप्त जोड़ी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए शनिवार को तीसरी एक्सीलेंट राष्ट्रीय युगल स्क्वाश चैंपियनशिप में मिश्रित युगल का खिताब जीता। शीर्ष करीयता प्राप्त जोड़ी ने फाइनल में अमय सिंह और रतिका सीलान की दूसरी करीयता प्राप्त जोड़ी को 11-7, 11-9 से हराया। सेंथिलकुमार और जोशना दोनों ने

इससे पहले टूर्नामेंट में अपने-अपने साथियों के साथ क्रमशः पुरुष और महिला युगल खिताब भी जीते थे। सेंथिलकुमार ने अमय के साथ मिलकर फाइनल में राहुल बेठा और सूरज कुमार चंद को 11-8, 11-5 से हराकर लगातार तीसरे वर्ष पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। महिला युगल के फाइनल में जोशना और रतिका ने जेनेट दिथि और पूजा आरती को 11-8, 11-4 से हराया।



पश्चिम बंगाल स्क्वाश में भारत की चुनौती पेश करने आर्यवीर: आर्यवीर दौवान चीन में इस महीने के आखिरी में होने वाली एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वाश चैंपियनशिप में भारत की चुनौती पेश करेंगे। पिछले साल अंडर 17 लड़कों का खिताब जीतने वाले दौवान इस बार अंडर 19 वर्ग में उतरेंगे।

रेल पहिया कारखाना/बेला
(पिपला-साम्भ, बिहार-841221)

ई-निविदा सं: RWP-PNG-COMBINED-2026

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/अनुसंधान, रेल कील प्लांट, बेला, भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए, भारतीय रेल के विशेष निविदा पोर्टल www.irops.gov.in के माध्यम से निम्नलिखित कार्य हेतु एकल पैकेट प्रणाली के अंतर्गत प्रतिस्पर्धित फॉर्मों से खुली ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

1. कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्णता अवधि - कार्य का नाम : 1. रेल कील प्लांट, बेला में DRS (IOCL) से NF, DF, रॉल प्लांट, दयुव स्टैंड एवं राइडर करिंग स्टेशन तक ओवरब्रिडज PNG पाइपलाइन का पूर्ण निर्माण, स्थापना एवं परीक्षण।

2. रेल कील प्लांट, बेला में नॉर्मलाइजिंग फर्नेस (NF) एवं ड्री फर्नेस (DF) के हीटिंग चक्र को प्रारंभ करने हेतु कार्य क्षेत्र (अनुसंधान-A एवं B) के अनुसार पाइपड नेटवर्क नैस सेट (PNG) के लिए स्टैंडबाय व्यवस्था तैयार करने हेतु गैस टैन, वायु, पाइप एवं संबंधित अवयवों का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना एवं कमीशनिंग।

3. स्थान : रेल कील प्लांट, बेला।

4. पूर्णता अवधि : 06 माह।

5. अनुमानित लागत : ₹ 3,73,98,342.32, 3. जमा की जाने वाली नोली सूक्ष्म राशि (बिबि सिक्काबंदी) : ₹ 7,48,000.00.

4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 08.06.2026 को 15:00 बजे

5. वेबसाइट विवरण, सूचना पट्टा का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है: निविदा के पूर्ण विवरण एवं बोली प्रस्तुत करने हेतु निविदाकार/बोलीदाता भारतीय रेल के विशेष निविदा पोर्टल www.irops.gov.in का अवलोकन करें।

निविदाकारों/बोलीदाताओं को निदेशित किया जाता है कि उपरोक्त निविदा से संबंधित परीक्षण/बुद्धिपत्र/निस्तीकरण आदि अग्रतः ही IREPS पोर्टल www.irops.gov.in से निरंतर जुड़े रहें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/अनुसंधान, रेल कील प्लांट, बेला

बि.र.क्यू.सी./सी.बी.आर.ओ./ए.डी.सी.डी., 2026-27/19

चैंपियंस लीग : विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर

एस्टन विला ने लिवरपूल को हराया, पक्का किया क्वालिफिकेशन

एजेसी ►►बर्मिंघम

एस्टन विला ने प्रीमियर लीग में लिवरपूल पर 4-2 से शानदार जीत हासिल करके अगले सीजन के यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया है। एस्टन विला की तरफ से ओली वॉटकिंस ने शानदार दो गोल किए। इस जीत से एस्टन विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, लिवरपूल 59 पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर आ गया और अब क्लब को चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक मुश्किल लड़ाई लड़नी होगी।



एनर्जी की टीम ने दिखाया आक्रामक खेल

उनाई एमरी की टीम ने विला पार्क में आक्रामक खेल दिखाया। लिवरपूल ने पहले हाफ में काफी समय तक मैच में कंट्रोल रखा, लेकिन विला ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। मॉर्गन रोजर्स के पास पेनल्टी परिया के बाईं ओर जगह थी और लुकास दिव्ने ने उन्हें पास दिया, और रोजर्स ने आराम से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में जल्द ही लिवरपूल ने बराबरी कर ली। मैच के 52वें मिनट में कप्तान जॉर्जिन वेन ड्राइक ने डोमिनिक सोबोरजलाई के फ्री-किक पर हेडर से गोल किया। कुछ देर बाद मेहमन टीम लगभग मैच में वापसी कर ही ली थी, लेकिन युवा खिलाड़ी रियो न्गुमोहा का दूर से खेला गया जोरदार शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। फिर सोबोरजलाई की बड़ी गलती का फायदा उठाकर विला ने मैच में अपनी पकड़ को दोबारा से मजबूत कर लिया। ओली वॉटकिंस मैके को गुनागे में सफल रहे और उन्होंने शानदार गोल दागा। इसके बाद भी विला का आक्रामक खेल जारी रहा। एमिलियोनो बुबुडिया का शानदार क्लिनिंग शॉट भी पोस्ट से टकराया।



कठिन समस्याओं के लिए भरोसेमंद टॉनिक पूरे माह रहें एक्टिव, फिट एवं स्वस्थ

Clinically Tested
No Side Effects

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

पहले महीने असर देखें



Helps In

- कठिन दर्द
- चिड़चिड़ापन
- थकान
- कमजोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी

गृह मंत्री शाह बोले- केंद्र सरकार 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

200 किलो
कैप्टागॉन ड्रग्स सीरिया से भारत पहुंची



केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी ►► नई दिल्ली

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पहली बार भारत में 'कैप्टागॉन' नामक ड्रग्स की बड़ी खेप जब्त की है। इस कार्रवाई में करीब 182 करोड़ रुपये कीमत की ड्रग्स बरामद की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को खुद यह जानकारी दी। उन्होंने इसे 'जिहादी ड्रग्स' बताते हुए कहा कि मोदी सरकार 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प पर पूरी मजबूती से काम कर रही है। उन्होंने इस कार्रवाई को भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का मजबूत उदाहरण बताया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भारत अपनी जमीन का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी के लिए किसी भी हाल में नहीं होने देगा और देश में आने या यहां से बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम की सराहना करते हुए उन्हें बहादुर और सतर्क योद्धा बताया।

पहली बार पकड़ा गया 182 करोड़ का 'जिहादी ड्रग्स', एक विदेशी गिरफ्तार

◆ यह खेप गुजरात और दिल्ली से बरामद की गई

सऊदी अरब के जेद्दा भेजी जानी थी

एक विदेशी ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसी से प्राप्त सूचना के आधार पर खबर मिली कि भारत का इस्तेमाल कैप्टागन तस्करी के ट्रॉजिट पॉइंट के रूप में किया जा रहा है। इसके आधार पर एनसीबी ने नई दिल्ली के नेब सराय क्षेत्र में एक मकान की पहचान की। 11 मई 2026 के दिन को मकान की तलाशी के दौरान एक चपाती कटिंग मशीन में छिपाकर रखी गई लगभग 31.5 किलोग्राम कैप्टागन टेबलेट बरामद की गई। इस खेप को सऊदी अरब के जेद्दा भेजा जाना था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि सीरियाई नागरिक डेढ़ साल पहले पर्यटक वीजा पर भारत आया था लेकिन वीजा खत्म होने के बाद वह अवैध रूप से यहां रह रहा था।

चार साल में कई पोर्ट पर देश में 11,311 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी गई

अमित शाह ने बताया कि 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत एजेंसियों ने यह बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह खेप पश्चिम एशिया भेजी जानी थी और इस मामले में एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि भारत को ड्रग्स के ट्रॉजिट रूट के तौर पर इस्तेमाल करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऑपरेशन रेजपिल के तहत कुल लगभग 227.7 किलो कैप्टागॉन पाउडर जब्त किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 182 करोड़ रुपये आंकी गई है।

यह जब्त हाल ही में मुंबई में एनसीबी द्वारा की गई एक अन्य बड़ी कार्रवाई के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है, जिसमें इक्वाडोर से आए कंटेनर में छिपाकर रखी गई 349 किलो उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन बरामद की गई थी। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2020 से 2024 के बीच देश के विभिन्न समुद्री बंदरगाहों पर ड्रग्स की 19 बड़ी खेप पकड़ी गई, जिनकी कुल कीमत 11,311 करोड़ रुपये से ज्यादा थी। अब कैप्टागॉन की यह पहली बड़ी बरामदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

दूसरी खेप ऊन के कंटेनर से जब्त की

आरोपी से पूछताछ के बाद 14 मई 2026 को गुजरात के मुंद्रा स्थित कंटेनर फैसिलिटेशन स्टेशन में एक कंटेनर से लगभग 196.2 किलोग्राम कैप्टागॉन पाउडर बरामद किया गया। इस कंटेनर को भेड़ की ऊन से भरा हुआ बताकर सीरिया से आयात किया गया था। शुरुआती जांच से पता चला है कि जब्त खेप को खाड़ी क्षेत्र विशेषकर सऊदी अरब और मिडिल ईस्ट के देशों में भेजा जाना था। जहां कैप्टागन का दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय बन चुका है।

कैप्टागॉन को कहा जाता है 'जिहादी ड्रग्स'

कैप्टागॉन एक सिंथेटिक एम्फेटामिन आधारित नशीला पदार्थ है, जिसे बेहद खतरनाक और लत लगाने वाला ड्रग माना जाता है। इसे 'जिहादी ड्रग्स' इसलिए कहा जाता है क्योंकि रिपोर्ट्स के अनुसार आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठन इसका इस्तेमाल लड़ाकों को ज्यादा ऊर्जा, सहनशक्ति और डर कम करने के लिए करते रहे हैं। इसे 'गरीबों की कोकीन' भी कहा जाता है।

नीदरलैंड के राजा अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से मिले पीएम मोदी
नीदरलैंड ने भारत को पूरे सम्मान के साथ लौटाए 11वीं शताब्दी के 24 चोल ताम्रपत्र



हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हेग स्थित रॉयल पैलेस में नीदरलैंड के राजा विलेम अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से शिष्टाचार मुलाकात की है। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच भारत और नीदरलैंड की मित्रता को और अधिक बढ़ावा देने से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर गहराई के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी देते हुए बताया कि रॉयल पैलेस में उनकी राजा अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा के साथ एक अहम मुलाकात हुई। इस क्षण को अद्भुत बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, सतत विकास, वाणिज्य और जल-संसाधनों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चर्चा की गई है। दोनों देश आपस में अपने साझा हितों और विश्वास से जुड़े हैं। जिसमें भविष्य के लिए तैयार एक ग्रह का निर्माण शामिल है।

ताजा हुई राजा अलेक्जेंडर की भारत यात्रा की यादें: विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस मुलाकात में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 में की गई राजा अलेक्जेंडर की भारत यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आपकी उसी यात्रा ने दोनों देशों के बीच आपसी रूप से सम्मान को बढ़ाने और संबंधों में एक नई गति प्रदान करने में बेहद अहम भूमिका निभाई थी। दोनों ने शिक्षा, नवाचार, सेमीकंडक्टर, डिजिटल, वाटर-ग्रीन साझेदारी जैसे मौजूदा द्विपक्षीय कदमों में जारी प्रगति को लेकर संतोष प्रकट किया है।

सौंपे 24 चोल ताम्रपत्र: नीदरलैंड के शाही परिवार के साथ मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके समकक्ष पीएम रॉब जेटन की मौजूदगी में एक समारोह का आयोजन किया। जिसमें नीदरलैंड ने भारत को 11वीं शताब्दी के छोटे और बड़े मिलाकर कुल 24 चोल ताम्र पत्रों को वापस सौंपने के निर्णय का ऐलान

किया। पीएम मोदी ने अपनी एक अन्य एक्स पोस्ट में इस पल को हर भारतीय के लिए आनंद का पल बताया और कहा कि अब नीदरलैंड से 11वीं शताब्दी के चोल ताम्र पत्रों को भारत वापस लाया जाएगा। यह ताम्रपत्र मूलरूप से 21 बड़े और 3 छोटे पत्रों का एक समूह है। जिनमें तमिल में पाठ मौजूद है। यह दुनिया की सबसे सुंदर भाषाओं में से एक है। राजेंद्र चोल प्रथम के कार्य से जुड़ाव: उन्होंने यह भी कहा कि ये पत्र राजेंद्र चोल प्रथम के महान कार्य से संबंधित हैं। जो उनके पिता राजराजा प्रथम द्वारा की गई मौखिक प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप प्रदान करते हैं।

यह ताम्रपत्र चोलों की महानता को भी बखूबी प्रदर्शित करते हैं। भारतीयों को चोल साम्राज्य, उनकी संस्कृति और समुद्री शक्ति पर अत्यधिक गर्व है। मैं, विशेष रूप से नीदरलैंड की सरकार और लीडेन विश्वविद्यालय को इस बाबत धन्यवाद देता हूं। जहां पर यह ताम्र पत्र मध्य-19वीं शताब्दी से रखे गए थे।

NPCI ALWAYS FORWARD
NATIONAL PAYMENTS CORPORATION OF INDIA

BHIM भारत का अपना — पेमेंट्स ऐप
BHARAT INTERFACE FOR MONEY

BHIM app से करो पे।
इट्स द माही वे।

मोबाइल रिचार्ज

बिजली बिल

मेट्रो/बस टिकट

गैस बिल

हर महीने **₹300** तक कैशबैक पाइए।

*नियम व शर्तें लागू।



Download Now